वर्ष-17 अंक-10 प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित अनूपपुर,06 फरवरी से 12 मार्च 2025 मूल्य 2.00 पृष्ठ-8 epaper www.fatwasamachar.com

एजेंसी देना है
एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र
आपका विश्वास

सुविचार

न्यूज ब्रीफ

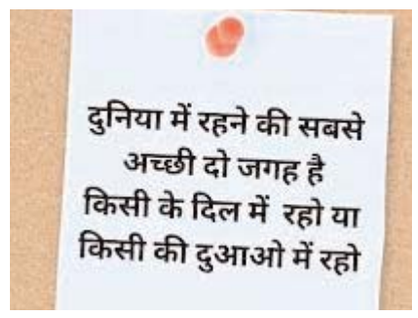

एआईसीसी के अधिवेशन से पहले राहुल गांधी आएंगे गुजरात, कांग्रेस विधायक और नेताओं से मिलेंगे

अहमदाबदा । गुजरात में अगले महीन 8 और 9 अप्रैल को होनेवाले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अधिवेशन से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे7 दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान राहुल गांधी कांग्रेस विधायकों, नेता और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। जानकारी है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7-8 मार्च को गुजरात का दौरा करेंगे। इस बीच वह राजनीतिक मामलों की समिति में हिस्सा लेंगे और गुजरात कांग्रेस नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले राहुल गांधी का यह दौरा बेहद खास माना जा रहा है।

बता दें कि गुजरात में होनेवाले कांग्रेस के राष्ट्रीय

सुरक्षित तट, समृद्ध भारत थीम के साथ सीआईएसएफ करेगी एक अनूठी साइकिल यात्रा

अहमदाबाद । केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) एक नई पहल सुरक्षित तट, समृद्ध भारत के साथ अपना 56वां स्थापना दिवस मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एक साइकिल रैली है जो भारत की 6,553 किमी लंबी मुख्य समुद्री बेल्ट के साथ यात्रा करेगी, जहां साइकिल चालकों की दो टीमें एक साथ इस अनोखी यात्रा पर निकलेंगी। एक टीम गुजरात के कच्छ जिले के लखपत जिले (पश्चिमी तट) से शुरू होगी और दूसरी टीम पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बक्कली (पूर्वी तट) से शुरू होगी। भारत के समुद्री तट के साथ भूमि 2025 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल में मिलेंगी।

100 करोड़ की जमीन खरीदने के बाद आए रडार पर

सतना। सतना में आयकर विभाग ने एक साथ 5 बड़े कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा। आयकर विभाग की टीम मंगलवार सुबह करीब 6 बजे 50 गाड़ियों से इनके ठिकानों पर पहुंची। बताया जा रहा है कि 100 करोड़ की जमीन खरीदने के बाद से ये आईटी के रडार पर थे।सीताराम अग्रवाल के गोशाला चौक स्थित घर पर जब आयकर विभाग की टीम पहुंची तो उन्होंने दरवाजे बंद कर लिए। ऐसे में अफसर सीढ़ी लगाकर छत के सहारे घर में घुसे। रामा ग्रुप टिंबर और लोहा कारोबार से जुड़ा है। वहीं, सिविल कॉन्ट्रेक्टर अतुल मेहरोत्रा की मेहरोत्रा बिल्डकॉन कंपनी मास्टर प्लान और इंडस्ट्रियल एरिया में काम करती है। सेनानी ग्रुप के बिट्स इंजीनियरिंग कॉलेज और स्कूल हैं।

दानापुर से जबलपुर, रानीकमलापति एवं कोटा के मध्य, गया-आनंद विहार एवं पटना-जालना के मध्य होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर। होली के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर दानापुर से जबलपुर, रानीकमलापति एवं कोटा के मध्य, जलना-पटना तथा गया-आनंद विहार के मध्य होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विवरण निम्नानुसार है- 1) गाड़ी संख्या 03697/03698 गया-आनंद विहार-गया सुपरफास्ट स्पेशल (सासाराम-डीडीयू -प्रयागराज के रास्ते)ः गाड़ी संख्या 03697 गया-आनंद विहार सुपरफास्ट स्पेशल 06 मार्च से 31 मार्च तक प्रत्येक रविवार को छोड़कर गया से 14.15 बजे खुलकर 15.0बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री ने नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की बैठक में की समीक्षा

नर्मदा बेसिन से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स में गति लायें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददता ➤ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा बेसिन से जुड़े प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में और तेजी लाई जाए। जिससे कि सभी क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी किसानों के खेतों में टेल एंड तक पानी पहुंचाने की समुचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कम्पनी की कार्य-प्रणाली और भविष्य की योजनाओं पर विमर्श किया, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव एवं नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक डॉ. राजेश राजौरा, संचालक श्री हिरदाराम चौहान सहित अन्य सदस्यगण

उपस्थित थे।बैठक में कम्पनी के प्रबंध संचालक डॉ. राजौरा ने कम्पनी की प्रगति, वर्तमान में चल रही परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति और आगामी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को नर्मदा क्षिप्रा लिंक बहुउद्देशीय परियोजना का कार्य अंतिम चरण में होने की जानकारी देते हुए कंपनी के एम.डी. डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि खण्डवा जिले में उद्वहन सिंचाई परियोजना और धार जिले में भी एक बड़ी परियोजना का भूमि-पूजन प्रस्तावित है।बैठक में विभिन्न मुद्दों एवं विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इस वर्ष नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा क्षेत्रीय विकास एवं बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी प्रस्तावित योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए और अधिक तेज व प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना से क्षेत्र का कोना-कोना सिंचित होगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददता ➤ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना के लिए राज्य सरकार, महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर समझौते की ओर आगे बढ़ रही है। विश्व की इस सबसे बड़ी ग्राउंड रिचार्ज परियोजना से क्षेत्र का कोना-कोना सिंचित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में पूर्व मंत्री तथा विधायक बुरहानपुर श्रीमती अर्चना चिटनिस के नेतृत्व में बुरहानपुर से भेंट के लिए आए कृषकों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से नवल सिंह सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बुरहानपुर के प्रतिनिधियों ने भी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकहित में शक्कर कारखाने का संचालन करने में सक्षम संचालक मंडल का गठन कर किसानों और क्षेत्रीय जनता के हित में कारखाने का संचालन किया जाए, राज्य सरकार हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। बुरहानपुर से आए किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से तरबूज और खरबूज के लिए आरबीसी (6-4) के मुआवजे में वृद्धि का आग्रह भी किया। सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल तथा विधायक सुश्री मंजू दादू भी इस अवसर पर उपस्थित रही।

राज्य सरकारें सस्ता इलाज देने में नाकाम

राज्यों में सस्ते इलाज और दवा से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्र सरकार जरूरी गाइडलाइन बनाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राज्यों में सस्ते इलाज और दवा से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई में कहा कि राज्य सरकारें सस्ती मेडिकल फैसिलिटी उपलब्ध कराने में नाकाम हैं। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने कहा, राज्य सरकारों की नाकामी के कारण प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा मिल रहा है। इस रोकने के लिए केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनानी चाहिए।वहीं, केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि मरीजों को अस्पताल की फार्मेसी से दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने अस्पतालों में दवाएं और मेडिकल सेवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराएं ताकि मरीजों का शोषण न हो। दरअसल, याचिका में आरोप लगाया गया कि प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवारों को अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाएं और मेडिकल इक्यूपमेंट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। इसलिए ऐसे अस्पतालों पर नकेल कसी जाए। कोर्ट केंद्र और राज्य सरकारों को इसे रोकने का आदेश दे।जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम याचिकाकर्ता बात से सहमत हैं, लेकिन इसे कैसे नियंत्रित करें? कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा कि वे प्राइवेट अस्पतालों को कंट्रोल करें, जो मरीजों से अस्पताल के दुकानों से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। खासकर वे दवाइयों जो किसी और जगह सस्ते में मिल रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइंस बनाने को कहा, जिससे प्राइवेट अस्पताल आम लोगों का शोषण न कर सके। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों को नोटिस भेजा था। उड़ीसा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने जवाब दाखिल किए थे। दवाइयों की कीमतों के मुद्दे पर राज्यों ने कहा कि वे केंद्र सरकार के प्राइस कंट्रोल ऑर्डर पर निर्भर हैं। केंद्र सरकार ही तय करती है किस दवा की क्या कीमत होगी।

माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशन ट्रेनें

- ट्रेन नंबर 04081-82 अपनी पहली यात्रा पर 8 मार्च से 18 मार्च तक चलेगी

एजेंसी ➤ जालंधर

माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। इस होली के उपलक्ष्य में, रेलवे विभाग ने बढ़ रही भीड़ को कोंट्रोल करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन स्पेशल ट्रेनों के माध्यम से श्रद्धालु आसानी से श्री माता वैष्णो देवी की दर्शन कर सकेंगे। नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी तक जाने वाली ट्रेन नंबर 04081-82 अपनी पहली यात्रा पर 8 मार्च से 18 मार्च तक चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से रात को 11 बजकर 45 मिनट पर रवाना होगी और कटड़ा में सुबह 11 बजकर 40 मिनट पहुंचेगी। दूसरी ओर, ट्रेन नंबर 04604-03 जो श्री माता वैष्णो देवी से वाराणसी के बीच चलेगी, 9 मार्च से 16

मार्च तक यात्रा करेगी। इस ट्रेन की यात्रा सुबह श्री माता वैष्णो देवी से शाम को 6 बजकर 15 मिनट पर शुरू होगी। वहीं आपको बता दें कि हाईकोर्ट ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को निर्देश दिया है कि केंद्र शासित प्रदेश में वसूले जा रहे भारी टोल शुल्क में कटौती की जाए।

लोगों को राहत मिलेगी

अदालत ने 4 महीने के भीतर टोल शुल्क में कमी करने का आदेश दिया है, जिससे यात्रा करने वाले लाखों लोगों को राहत मिलेगी। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर वसूले जाने वाले शुल्क को कम किया जाएगा। यह टोल शुल्क तब तक सीमित रहेगा जब तक लखनपुर से उधमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह चालू नहीं हो जाता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन टोल प्लाजा पर अब केवल 26 जनवरी 2024 से पहले लागू दरों का 20 प्रतिशत ही वसूला जाएगा।

योगी सरकार हुई सख्त, अंसल ग्रुप के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अंसल ग्रुप के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंसल ग्रुप पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि खरीददारों के अधिकारों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि फ्लैट खरीदारों को उनके अधिकार समय पर मिलें और कोई भी कंपनी या बिल्डर कानून का उल्लंघन न करे। योगी सरकार के इस फैसले के बाद रियल एस्टेट सेक्टर में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई से उन ग्राहकों को राहत मिलेगी, जो लंबे समय से अपने घरों की डिलीवरी न होने या अन्य अनियमितताओं को लेकर परेशान थे। सरकार की सख्ती को देखते हुए अन्य बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों को भी अपने कार्यप्रणाली में सुधार लाने की जरूरत होगी, ताकि ग्राहकों के हितों की अनदेखी न हो।

यूपी में सपा नेता की गला रेत कर हत्या, गांव में तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी नेता की गला काट कर हत्या कर दी। उनका शव परियावा गांव में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। हत्या के बाद वहां लोगों में आक्रोश फैल गया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है।जानकारी के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र परियावां गांव के रहने वाले राजेश यादव नाटे सक्रिय सपा कार्यकर्ता थे। वह बूथ अध्यक्ष थे। सोमवार देर रात उनका शव गांव के ही टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। उनका गला काटकर हत्या की गइ थी। किसी ने सपा नेता का शव देखा तो शोर मचाया। सपा नेता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। वर्चस्व में हत्या किए जाने की बात सामने आई है।

सत्ताधारी पार्टी का चुनाव चिन्ह लगाकर बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

गाजियाबाद। अवैध रूप से बसाई जा ही कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें विद्युत निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की संलिप्तता को उजागर किया। सत्ताधारी पार्टी का चुनाव चिह्न बनाकर अवैध कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजर का कार्यालय व अन्य निर्माण बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया ।

प्राधिकरण की टीम ने गांव मोरटी के खसरा संख्या 600 में अशोक जैन द्वारा करीब 5000 वर्गमीटर में अवैध प्लॉटिंग, अटोर में खसरा संख्या 332ए पर करीब 8000 वर्गमीटर में अवैध प्लॉटिंग, विकास त्यागी और मुनिराज त्यागी द्वारा खसरा संख्या 333 में करीब 4600 वर्गमीटर में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी की सड़क, बाउंड्रीवाल और कॉलोनाइजर के साइट ऑफिस को बुलडोजर से गिरा दिया।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना

आंतरिक और बाहरी सुरक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू : राजनाथ सिंह

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जहां तक आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न है, उसके समक्ष हमें आतंकवाद, अलगाववाद, वामपंथी, सांप्रदायिक तनाव, घुसपैठ और संगठित अपराध जैसे खतरे देखने को मिल रहे हैं। वहीं बाहरी सुरक्षा में हमारी अपनी अलग चुनौतियां हैं। वर्तमान में साइबर और स्पेस आधारित चुनौतियां हमारे सामने आ रही हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

रक्षा मंत्री सिंह के मुताबिक, डीआरडीओ मूलतः दो प्रकार की तकनीकी प्रणालियों पर कार्य करता है। एक ओर यह हमारी सेनाओं यानी आर्मी, नेवी और एयर फोर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े प्लेटफार्म की तकनीक तैयार करता है। वहीं दूसरी ओर डीआरडीओ

ऐसी प्रणालियां भी विकसित कर रहा है जिनका इस्तेमाल दूसरी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भी किया जा सकता है। इस श्रेणी में छोटे हथियार, बुलेट प्रूफ जैकेट, संचार के उपकरण, सर्विलांस उपकरण, ड्रोन और एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा,

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, आजादी के बाद से भारत, चूंकि आर्थिक रूप से उतना समृद्ध नहीं था, इसकारण हमारा अधिकांश ध्यान अपनी मूलभूत जरूरतों पर टिका रहता था। अब इस नजरिये को दुर्भाग्यपूर्ण ही कह सकते हैं कि हम आपदाओं पर और उसके प्रभाव पर उतना ध्यान नहीं देते थे। हम आपदाओं और उनसे होने वाले जान-माल के नुकसान को अपनी नियति मान लेते थे। लेकिन अब स्थिति ऐसी नहीं है। उन्होंने कहा, आज भारत समृद्ध हो रहा है। आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी तकनीक की भूमिका बढ़ रही है। आप लोगों को याद होगा ।

झारखंड पर भाजपा सांसद के बयान ने राजनीति गरमाई

सोरेन सरकार को घेरने में लगे विरोधी

नई दिल्ली। झारखंड को इस्लामिक राज्य बताने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर अब दिल्ली तक का राजनीतिक गलियारा गरमा गया है। वहां झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता इरफान अंसारी ने इस बयान पर पलटवार किया और निशिकांत दुबे को भारत की बजाय कैलिफोर्निया का सांसद बनने की नसीहत दे डाली है, तो वहीं इस बयान को लेकर दिल्ली में बैठे नेता भी अपने हिसाब से सोशल मीडिया पर बयान देते नजर आए हैं।यहां बताते चलें कि भाजपा सांसद निशिकांत के विवादित बयान को लेकर सोमवार को झारखंड विधानसभा परिसर में मीडिया से बात करते हुए इरफान अंसारी ने कहा था, कि रमजान एक पवित्र महीना है।

शहीद स्मारक की उपेक्षा से आहत है स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी!

उत्तराखंड के राज्यमंत्री स्तर से लेकर प्रथम महिला मेयर तक और स्वयं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के निरीक्षण कर लेने के बाद भी रुड़की के शहीद स्मारक के मार्ग द्वार का ताला नही खुलवाया जा सका है।जिस कारण शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शहीद स्मारक पर पहुंचना कम से कम बुजुर्गों के लिए बेहद कठिन हो गया है।इस स्मारक पर प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारी अपने पूर्वजो को नमन करने आते है।वे हर बार यहां की ज्वलंत समस्याओं को उठाते है,लेकिन समाधान आज तक नही हो पाया। रुड़की के सुनहरा में मौजूद यह ऐतिहासिक वट वृक्ष ब्रिटिश हुकूमत के जुल्म का आज भी साक्षी बना हुआ है। अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाने वाले 152 क्रांतिकारियों को एक ही दिन में इस वट वृक्ष पर सरेआम लटकाकर फांसी दे दी गई थी।अंग्रेजी शासन के समय के गजेटियर के मुताबिक रुड़की में इस क्रांति की ज्वाला सन 1822 में ही भड़क गई थी और जब हालात असहनीय हो गए तो अक्तूबर सन 1824 को कुंजा ताल्लुका में राजा विजय सिंह के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ पहला युद्ध हुआ था और इस दौरान अंग्रेजों को भारी क्षति उठानी पड़ी थी। इसके साथ ही गुस्साए अंग्रेजों के कोपभाजन का शिकार हुए 152 स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण भी न्यौछावर किए थे।सन 1822 से क्रांति का बिगुल बजना शुरू हुआ तो ब्रिटिश हुकूमत में खलबली मच गई थी।आजादी के मतवालों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने इलाके में कत्लेआम का तांडव मचाया था। इसके बाद रुड़की के ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट सर राबर्ट्सन ने 10 मई 1857 को रामपुर, कुंजा, मतलबपुर आदि गांवों के 152 ग्रामीण आंदोलनकारियों को पकड़कर इस पेड़ पर सरेआम फांसी पर लटका दिया था। स्थानीय लोगों की पहल के बाद वट वृक्ष को शहीद स्मारक के रूप में स्थापित किया गया है, जो स्वतंत्रता संग्राम में रुड़की के शौर्य को दर्शा रहा है। ऐतिहासिक दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि ब्रिटिश हुकूमत के खौफ के चलते आसपास के लोग गांव छोड़कर चले गए थे। सन 1910 में स्वतंत्रता सेनानी स्व. ललिता प्रसाद ने इस वटवृक्ष के आसपास की जमीन को खरीदकर इसे आबाद किया था। उसके बाद यहां मंत्राचरणपुर गांव बसाया गया, जो बाद में सुनहरा के नाम से जाना गया है।इस ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम की पावन स्थली पर शहीदों को नमन करने के लिए एक कमेटी का गठन भी किया गया था। शहीदी यादगार कमेटी ने वटवृक्ष के नीचे शहीद हुए आजादी के दीवानों की याद में 10 मई 1957 को स्वतंत्र भारत में पहली बार विशाल सभा का तत्कालीन एसडीएम बीएस जुमेल की अध्यक्षता में हुआ था। जिसमें शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई थी। ब्रिटिश हुकूमत ने सामुहिक फांसी का कदम इसलिए उठाया कि रुड़की के लोग भयभीत हो जाएं और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज न उठा सकें, ताकि आसानी से रुड़की और सहारनपुर में मौजूद छावनी से ब्रिटिश फौज को दूसरी जगह भेजा जा सके।सन 1947 में जब देश आजाद हुआ, तब तक इस पेड़ पर लोहे के कुंडे एवं जंजीरें लटकी हुई थीं,जो बाद में धीरे धीरे गायब हो गई। हालांकि जंजीरों के निशान पेड़ की टहनियों पर बाद तक भी मौजूद रहे। यह वटवृक्ष आजादी के आंदोलन व शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। लेकिन बदलते दौर में यह वटवृक्ष उपेक्षा की भेंट चढ़ता जा रहा है। प्रशासनिक उपेक्षा के चलते ऐतिहासिक वट वृक्ष जिसका सौन्दियकण उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा तत्कालीन नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा कराया गया,के आसपास का क्षेत्र केएल पालीटेक्निक का छात्रावास परिसर होने के कारण यह शहीद स्मारक घोर उपेक्षा का शिकार है।पालीटेक्निक प्रबंधन द्वारा मुख्य द्वार पर ताला जड़ देने के कारण लोग चाहकर भी शहीद स्मारक तक नही पहुंच पाते है,वही शहीद स्मारक के आसपास की भूमि पर तारबाड़ कर देने से भी शहीद स्मारक का रास्ता संकीर्ण हो गया है।

(एक नजर)

पाकिस्तान की भांति बर्बादी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ़ भागता है' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि- त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा।

विचार

स्वस्थ भारत की ओरः मोदी की मुहिम से घटेगा मोटापा!

सोनम लववंशी
लेखक

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। 'द लांसेट' पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दर्शाता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

> पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब 'ऑनलाइन फूड डिलीवरी' ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और 'फिटनेस' को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है।

भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब 'तोंद' को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं। मोटापा आज केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बढ़ती समस्या को भांपते हुए इसे रोकने की ठानी और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों के माध्यम से पूरे देश को समझा रहे हैं कि 'स्वास्थ्य ही धन है।' देखा जाए तो मोटापे की समस्या आधुनिक जीवनशैली की देन है। पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब 'ऑनलाइन फूड डिलीवरी' ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और 'फिटनेस' को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है। जंक फूड की बढ़ती लत इस समस्या को और जटिल बना रही है। मोदी सरकार ने 'ईट राइट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है कि 'स्वस्थ खाना ही असली खाना है।' प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को कई मशहूर हस्तियों का भी समर्थन मिला है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या हम केवल सोशल मीडिया पर 'फिटनेस चैलेंज' स्वीकार करने तक सीमित रहेंगे, या फिर वास्तव में अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे? सरकार चाहे जितने भी अभियान चला ले, जब तक आम जनता खुद स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक मोटापे की समस्या बनी रहेगी।

विचार

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

ललित गर्ग
लेखक

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है।

यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीडन, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकर्ताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं।

> कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं।

यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है।

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकाओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता। बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है।

विचार

यूरोपीय देशों ने दी यूक्रेन को 40000 करोड़ की मदद

सनत जैन
लेखक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों सारे देश और दुनिया में चर्चा का विषय बने हुए हैं। ट्रंप जिस तरह से अमेरिका की नीतियों और यूरोपीय देशों की उपेक्षा करते हुए अपने व्यापारिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं, उसके कारण अमेरिका और यूरोप के देशों में ट्रंप के खिलाफ रोष देखने को मिल रहा है। जिसका व्यापक असर अमेरिका के राज्यों और यूरोपीय देशों के बीच दिखना शुरू हो गया है। ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ किया है, उसे यूरोप और नाटो देशों ने पसंद नहीं किया। अमेरिका से जेलेंसकी के लंदन लौटने के बाद ब्रिटेन में 27 देशों के प्रतिनिधि यूक्रेन के समर्थन में होने वाली बैठक में शामिल हुए। सभी देशों ने मिलकर युद्धग्रस्त यूक्रेन की सहायता करने के लिए 40000 करोड़ रुपए की तुरंत सहायता यूक्रेन को देने की घोषणा की। यूरोप और नाटो संगठन के देशों में प्रतिबंध के बाद रूस के लगभग 40000 करोड रुपए यूरोपीय देशों के पास जमा थे। उस पैसे को तुरंत यूक्रेन को मदद के रूप में देने का फैसला यूरोप के देशों ने किया। इसे एक ऐतिहासिक फैसला माना जा सकता है। यूरोप को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसा निर्णय लेना पड़ा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रोकने के लिए जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफा शर्तें यूक्रेन के ऊपर लाद रहे थे, नाटो देशों को शांतिवार्ता में शामिल नहीं कर रहे थे, उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय जगत में देखने को मिली है। यूरोप के देश चाहते हैं, शांति प्रयासों में अमेरिका के साथ यूरोप के देशों को भी शामिल किया जाए। लंदन समिट में यूरोप के 44 देश के 24 नेता व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए थे। जो इस बात को पुख्ता करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच में जो शांति स्थापित करने की कोशिश की जा रही है, उसके लिए जो शांति प्रस्ताव तैयार कर गुंडागर्दी की जा रही है, वह उसका विरोध करते हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने यहां तक कह दिया, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों को हम अमेरिका के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। 14 करोड़ रुसी, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों पर जबरदस्ती नहीं कर सकते हैं। यूरोप के 44 देशों ने एकमत से प्रस्ताव पास किया है। वह रूस और अमेरिका के सामने सरेंडर नहीं करेंगे। अपनी लड़ाई खुद लड़ने में सक्षम हैं। यूरोप के देशों में रूस से ज्यादा गुस्सा अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर है। अमेरिका यूक्रेन और नाटो देशों के साथ जो समझौता हुआ था, उस समझौते से अमेरिका मुकर रहा है। जिसके कारण अब यूरोप के देश संगठित होकर यूक्रेन के साथ खड़े हो गए हैं। वैश्विक स्तर पर जो घटना देखने को मिल रही है। उसके बाद यही कहा जा सकता है, कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द ही यूरोप और नाटो देशों के साथ वार्ता नहीं की, तो अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ सकता है। पिछले दो माह में जिस तरह के निर्णय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिए हैं, उसके कारण अमेरिका के राज्यों में भी डोनाल्ड ट्रंप के प्रति विद्रोह शुरू हो गया है। एलन मस्क के खिलाफ अमेरिका में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। उप राष्ट्रपति बेंस के खिलाफ भी आंदोलन प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्थिति अमेरिका में कमजोर हो रही है। अमेरिका में यह आमराय बनती चली जा रही है, डोनाल्ड ट्रंप अपने मित्र एलन मस्क के साथ मिलकर व्यापारिक एजेंडा पूरा कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

'लव यू जिंदगी' में महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की सखियों के लिए 'वाईब्रेंट कलर, वाईब्रेंट वूमन'

इंदौर । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व बेला में महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की ओर से अपने ' लव यू जिंदगी ' कार्यक्रम की श्रृंखला में 7 मार्च को दोपहर 3 बजे से रेडियो कालोनी स्थित रेसीडेंसी क्लब पर ' वाइब्रेंट कलर एंड वाईब्रेंट वूमन ' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें अब तक 100 से अधिक सखियों के पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं। इस मौके पर नारी के व्यक्तित्व पर आधारित रंगों से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति और महिला विकास के क्षेत्र में सहयोग देने वाली विशिष्ट महिलाओं का सम्मान भी किया जाएगा। प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा मित्तल ने बताया कि 8-8 के समूह में सखियों के 12 समूह बनाकर उन्हें ड्राइंग शीट पर अपने मनचाहे और पसंदीदा रंग से नारी के स्वरूप को किसी भी परिवेश में उकेरना होगा। इसके लिए उन्हें 40 मिनट की समयावधि दी जाएगी। यह एक ऐसा आयोजन होगा, जिसमें मातृशक्ति स्वयं का अपने ही दृष्टि में कैसे और किस रूप में आंकलन करती है, इसकी अभिव्यक्ति देखने को मिल सकेगी। श्रेष्ठ चित्रकारी करने वाले दो समूहों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे। स्पर्धा के निर्णय हेतु गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय दिवस की पूर्व बेला में यह एक ऐसा कार्यक्रम होगा, जिसमें महिलाएं अपना आंकलन स्वयं करेंगी और उसे अपनी तुलिका के माध्यम से ड्राइंड शीट पर उतारेंगी। इससे उनके पसंदीदा रंग का भी पता चल सकेगा। स्पर्धा के माध्यम से महिलाओं के बीच एकता और एक-दूजे के प्रति सदभाव की भी भावना भी प्रदर्शित हो सकेगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के पश्चात महिला प्रकोष्ठ एवं 'लव यू जिंदगी' के अब तक के सफर में हम सफर बनने वाली भागीदार सहयोगी महिलाओं का सम्मान भी अतिथियों द्वारा किया जाएगा। रेसीडेंसी क्लब से सभी सखियां साथ 7 बजे सीधे नेहरू स्टेडियम पहुंचेंगी और वहां आयोजित मेराथन स्पर्धा में शामिल होंगी।

इन्दौर प्रेस क्लब सभागार में सोच पुस्तक का विमोचन आठ को

इन्दौर । थैलीसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में काव्य संग्रह सोच का विमोचन किया जाएगा। संस्थापिका अध्यक्ष डा. रजनी भंडारी द्वारा रचित इस काव्य संग्रह का विमोचन आठ मार्च की दोपहर 3.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में होगा। इस अवसर पर सोच सुधारो दुनिया बदलो विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि डा. राजीव शर्मा होंगे। अध्यक्षता कवि व शिक्षाविद डा. राजेश दीक्षित नीरव करेंगे। कार्यक्रम की विशेष अतिथि शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्य डा. ममता चंद्रशेखर होंगी।

सिंहस्थ में बीएसएनएल इंदौर-उज्जैन के बीच लगाएगा अस्थायी एक्सचेंज, लांच होगी शार्ट टाइम सिम

इन्दौर । बीएसएनएल ने उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के लिए तैयारी शुरू करते यहां आने वाले लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके इसके लिए इंदौर-उज्जैन को 100 से ज्यादा बीटीएस और अस्थायी एक्सचेंज लगाने का निर्णय लिया है। वहीं कम अवधि के लिए पिलग्रिमेज सिम भी लांच की जाएगी। टेलीकॉम डिप्टी डायरेक्टर जनरल संजीव शर्मा ने कहा कि सिंहस्थ में भी कुंभ की तरह बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे उनको बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बीएसएनएल भी तैयारियां शुरू कर रहा है। इस दौरान बीएसएनएल भोपाल, इंदौर, उज्जैन के साथ रतलाम- खंडवा से इंदौर के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी देगा। वहीं कम समय के लिए नई सिम भी लॉन्च की जाएगी।

स्वच्छता संदेश के साथ चार दिवसीय उत्सव का समापन

इन्दौर । धारेश्वर महादेव मंदिर ट्रेजर टाउनशिप राऊ पर ट्रेजर टाउन व ट्रेजर विहार के रहवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय उत्सव का समापन हुआ। विगत 9 सालों से आया इस परम्परागत उत्सव के पहले दिन हल्दी, मेहंदी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। वहीं दूसरे दिन शिव बारात निकाली गई।

गांधी हाल में 22 मार्च से प्रारंभ होने वाले अ.भा. परिचय सम्मेलन की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

अग्रवाल सम्मेलन के लिए अब तक एक हजार से अधिक प्रविष्ठियां मिलीं ; दहेज नहीं लेने वालों का होगा सम्मान

संवाददाता ➤ इंदौर

अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था श्री अग्रवाल महासभा की मेजबानी में समाजसेवी स्व. मिश्रीलाल गोयल की स्मृति में आयोजित किए जाने वाले निशुल्क अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए अब तक एक हजार से अधिक प्रविष्ठियां देश के 10 उत्तर भारतीय राज्यों से प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें 466 युवती एवं 550 युवक प्रत्याशी शामिल हैं। सभी उच्च शिक्षित एवं अपने -अपने कारोबार में स्थापित प्रत्याशी हैं। परिचय सम्मेलन में बिना दहेज के विवाह करने का संकल्प लेने वाले तथा मंच पर आकर अपना परिचय देने वाले प्रत्याशियों का सम्मान करने का निर्णय भी लिया गया है। इसी तरह ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों के लिए अपने-अपने घरों पर पानी के सकोरे रखने हेतु सकोरों का वितरण भी किया जाएगा।

महासभा के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल और महामंत्री अजय बंसल एवं मनीष जैन ने बताया कि मंगलवार को यशवंत निवास रोड स्थित महासभा के कार्यालय पर अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंघल के आतिथ्य में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि परिचय सम्मेलन में आने वाले प्रत्याशियों के परिचय की पुस्तिका का प्रकाशन नवीन गोयल एवं श्याम गोयल के टीम द्वारा किया जाएगा। इसी तरह समाजसेवी एल.बी. अग्रवाल, सुशील गोयल एवं उनके साथी भी विभिन्न व्यवस्थाएं संभालेंगे। बैठक में अब तक प्राप्त प्रविष्ठियों की जानकारी देते हुए समन्वयक संतोष गोयल ने बताया कि गांधी हॉल में 22 से 24 मार्च तक होने वाले इस 32वें परिचय सम्मेलन के लिए अब तक 1016 प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी है । इनमें 466 युवती एवं 550 युवक प्रत्याशी शामिल हैं। अधिकांश प्रत्याशी सीए, एमबीए,

डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, एमसीए, सीएस, उच्च शिक्षित एवं अन्य स्वयं के कारोबार में स्थापित हैं। अब तक गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश सहित 10 राज्यों से प्रविष्ठियां आईं है। प्रविष्ठियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 मार्च निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन की दिव्यता एवं पिछले 31 बरसों की परंपरा को देखते हुए सम्मेलन स्थल पर आने वाले मेहमानों के लिए रियायती शुल्क पर स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था के साथ ही कुंडली मिलान, कम्प्यूटर, फोटोकापी, खोया-पाया, पूछताछ, परिचय पुस्तिका वितरण, सुरक्षा, पेयजल, साफ-सफाई, प्राथमिक चिकित्सा एवं अन्य समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मातृशक्ति से जुड़ी व्यवस्थाएं श्रीमती उर्मिला गोयल, पुष्पा गुप्ता एवं पिंकी अग्रवाल संभालेंगी। बैठक में बिना दहेज के विवाह करने की घोषणा करने वाले प्रत्याशियों के साथ ही मंच पर आकर अपना परिचय देने वाले उम्मीदवारों का सम्मान करने का निर्णय भी लिया गया। इसी तरह हर वर्ष की तरह ग्रीष्मकाल में मूक परिंदों की जल सेवा के उद्देश्य से समाजबंधुओं को सकोरों का निशुल्क वितरण करने का निर्णय भी लिया गया, ताकि वे अपने-अपने घरों की छतों या बालकनियों पर परिंदों के लिए दाना-पानी रख सकें। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि परिसर पूरी तरह डिस्पोजल मुक्त रहेगा और केवल तांबे के कलश से ही जल सेवा होगी। सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा और सार्थक रिश्ते बनाने के लिए वरिष्ठजनों की समिति भी बनाई जा रही है। महिला पुरुषों की संपर्क- मिलन टीम रिश्ते बनाने में मदद करेगी।

जीवन के अंधकार भरे क्षणों में ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन मात्र से कल्याण का आलोक फैलता है : शंकराचार्यजी

इंदौर । शिव का नाम, रूप स्वरूप, दर्शन और श्रवण भी कल्याणकारी है। शिव नाम ही कल्याण का पर्याय है। सृष्टि के नियंता होने के नाते भगवान शिव द्वारा स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंग भारत भूमि के अलग-अलग अंचलों में स्थापित करने के पीछे मूल भाव यही है कि प्राणी मात्र के पापों का नाश हो, उनके कष्टों का निवारण हो और वे अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति कर गृहस्थ जीवन के दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ पालन कर सकें। जीवन के अंधकार भरे क्षणों में ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन मात्र एवं शिव के नाम स्मरण से ही कल्याण का आलोक फैलने से व्यक्ति का उद्धार हो जाता है। जगदगुरू शंकराचार्य, भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ ने मंगलवार को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम परिसर में ओम जय-जय अम्बे भक्तजन मंडल एवं श्री श्रीविद्याधाम परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव पुराण कथा में उपस्थित भक्तों को द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा और महिमा सुनाते हुए उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व आयोजन समिति की ओर से आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में ओ.पी. गौतम, उदय लक्ष्मण जाधव, लक्ष्मीनारायण राठौर, श्रीमती निर्मला दीनदयाल अग्रवाल एवं राजेन्द्र झार आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। इसके पूर्व सुबह भगवान परशुराम के मंदिर की साक्षी में जे.पी. सिंह, रमेश उपाध्याय, मंगल पांडे, श्रीमती रमा मुकेश सोमानी एवं राम बहादुर पटेल ने यज्ञ-हवन में भाग लिया। कथा 9 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सांय 6 बजे तक विद्याधाम परिसर में होगी।

शंकराचार्यजी ने द्वादश ज्योतिर्लिंग की महत्ता बताते हुए कहा कि सोमनाथ के दर्शन एवं पूजन से कुष्ट एवं क्षय रोग का नाश होता है। मल्लिकार्जुन के दर्शन से भक्त की मनोवांछित कामनाएं पूरी होती है। महाकालेश्वर के दर्शन और पूजन से मनोकामनाएं पूरी होकर शत्रु बाधाएं दूर होती है। ओंकारेश्वर और ममलेश्वर के दर्शनों से भक्तों को अभिष्ट फल की प्राप्ति होती है। केदारेश्वर के दर्शन-पूजन से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। भीमाशंकर के दर्शन से भक्तों को सताने वाले दैत्यों एवं असूरी ताकतों से मुक्ति, काशी विश्वनाथ के दर्शन से कर्म बंधनों से मुक्ति, त्रयंबकेश्वर के दर्शन से निर्भयता, बैजनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन से मोक्ष की प्राप्ति,नागेश्वर धाम के पूजन से दुष्टों का दमन, रामेश्वर के दर्शन और पूजन से भक्तों के मनोरथ एवं संकल्पों की पूर्ति तथा घृष्णेश्वर के दर्शन और पूजन से भक्तों की रक्षा होती है।

शंकराचार्यजी ने कहा कि भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए जैसे केवल जल की कुछ बूंदों से अभिषेक ही पर्याप्त होता है, उसी तरह उनके नाम के साथ शिवलिंग के नाम भी जोड़ दें तो भूतेश्वर, बटकेश्वर, सुखदेश्वर, गंगेश्वर, कुंभेश्वर, चंद्रेश्वर, कपलेश्वर सहित स्थान के नाम भी पूजनीय बन जाते हैं। देश ही नहीं, विश्व में भी भगवान शिव के लाखों मंदिर स्थापित हैं। शिव के पंच अवतार भी महत्वपूर्ण माने गए हैं, इनमें साध्योजात, वामदेव, तदपुरुष, अघोर और ईशान जैसे अवतार प्रमुख हैं। इसी तरह एकादश रूद्र में कपाली, पिंगल, भीम, विरूपाक्ष, विलोहित, अजपाद,शास्ता, अर्हिबुधन्य, शंम्भू, चंड और भव जैसे रूद्र प्रमुख हैं, जिनकी महिमा के गायन से शिव प्रसन्न होते हैं।

रावण के रूप में आशुतोष राणा के दमदार अभिनय ने बढ़ा दिया महानाट्य का समग्र प्रभाव

भावविभोर दर्शक बोले ऐसा नहीं नाटक पहले कभी नहीं देखा

संवाददाता ➤ इंदौर

विट्ठलभाई पटेल सांस्कृतिक प्रतिष्ठान द्वारा शनिवार शाम सात बजे लता मंगेशकर सभागार में आयोजित भव्य हिंदी महानाट्य हमारे राम का मंचन ऐतिहासिक सफलता के प्रतिमान रच गया। शहर के एवं अन्य शहरों से पधारे सभी वर्गों के प्रबुद्धजनों एवं संस्कृति प्रेमियों की उपस्थिति सुप्रसिद्ध अभिनेता श्री आशुतोष राणा समेत कलाकारों के सशक्त अभिनय और आधुनिक तकनीक के असरकारक उपयोग के कारण नाटक देखने वालों की सहज प्रतिक्रिया थी कि ऐसा बाँधकर रखने वाला प्रभावी नाटक पहले कभी नहीं देखा। श्री आशुतोष राणा एवं राम की भूमिका निबाह रहे नाटक के निर्माता श्री राहुल भुचर ने श्री ललित अग्रवाल द्वारा श्री विट्ठल भाई पटेल की स्मृतियों को जीवित रखने के प्रयासों को अनुकरणीय बताते हुए खूब प्रशंसा की। मध्यप्रदेश के रहवासी सुप्रसिद्ध गीतकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री विट्ठलभाई पटेल की स्मृतियों को उनके मुरीद एवं निकट सहयोगी श्री ललित अग्रवाल ने अपने लगातार प्रयासों से जीवंत रखा है। भुलाए नहीं भूलती भैया की याद! शीर्षक से उन्होंने विगत दशक में देश के नामचीन कलाकारों के सफल कार्यक्रम श्री पटेल की स्मृति में कर संबंध निभाने की एक नई मिसाल पेश की है। उनके कार्यक्रमों का शहर के संस्कृतिप्रेमियों को इंतज़ार रहता है और इसी कड़ी में भव्य नाटक हमारे राम का मंचन शहर के कलाप्रेमियों के लिए अनुपम सौग़ात था। इस नाटक का शहर के कलाजगत को इंतज़ार था। कला, संस्कृति और साहित्य की अनमोल धरोहर को संजोए रखने के उद्देश्य से कार्यरत विट्ठल भाई पटेल सांस्कृतिक प्रतिष्ठान के संयोजक श्री ललित अग्रवाल एवं सह-संयोजक श्री सुधीर मालवीया ने कार्यक्रम से पूर्व सभी अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने श्री विट्ठल भाई पटेल की रचनात्मकता, संस्कृति के प्रति जागरूकता एवं कलाकारों के प्रति सम्मान के भाव को याद किया।

सिनेफेस्ट में बिखरा बॉलीवुड का जादू, प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 के 'डेंगलर' का हुआ अनावरण

इंदौर । आगामी 21-22 अप्रैल को आयोजित होने वाले प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 के प्रमोशनल इवेंट के तहत शानदार सिनेफेस्ट का आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह में छात्र-छात्राओं ने बॉलीवुड की झलकियां पेश करते हुए जबरदस्त परफॉर्मेंस दीं। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित फिल्मों भूल भुलैया, लापता लेडीज, चेन्नई एक्सप्रेस, बद्री की दुल्हनिया के चर्चित किरदारों को जीवंत किया गया। शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से सजी इस शाम को नविका अवस्थी और आरजे रघु ने अपनी जबरदस्त एंकरिंग से और भी रोचक बना दिया।

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट तथा हुक्का बार पर प्रतिबंध

तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने के कलेक्टर ने दिये निर्देश

सीहोर। भारत सरकार ने तम्बाकू आपदा से नागरिकों को विशेषकर बच्चों एवं युवाओं को बचाने के लिये सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन अधिनियम बनाया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री बालागुरू के. ने गत दिवस जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि तम्बाकू नियंत्रण कानून का पालन सुनिश्चित किया जाये। और कहा कि देश में 13 से 14 लाख लोगो की मृत्यु तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के कारण हो जाती है। अधिनियम(ष्ट्रह्लञ्जक्क- 2003) के तहत धारा 4ट सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित, जिले के सार्वजनिक स्थानों पर, धूम्रपान निषेध सबंधी बोर्ड लगे हो, गैर धूम्रपान क्षेत्र यहाँ धूम्रपान करना अपराध, आदेश का उल्लंघन करने पर 200/- रुपये तक जुर्माना, सार्वजनिक स्थानों पर कोई धूम्रपान ना करे, धूम्रपान करते हुए मिलता है तो दंडात्मक कार्यवाही करें, धूम्रपान करने वालों पर 200/- रुपये तक जुर्माने का प्रावधान, तम्बाकू उत्पादों के प्रचार- प्रसार विज्ञापन, उनके द्वारा प्रयोजन (स्पोंसरशिप) एवं प्रोत्साहन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से निषेध, 18 वर्ष से कम आयु के अवयस्क व्यक्ति के द्वारा तम्बाकू उत्पाद बेचना प्रतिबन्धित, शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज (300 फीट) के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित, किशोर न्याय अधिनियम 2015 अनुसार नाबालिगों को तम्बाकू उत्पाद प्रदान करने पर 7 वर्ष की सजा एवं 1 लाख रुपयों तक जुर्माने का प्रावधान, तम्बाकू उत्पादों के पैकेट के ऊपर 85 प्रतिशत चेतावनी (60 प्रतिशत चित्र एवं 25 प्रतिशत लिखित) प्रदर्शित होना अनिवार्य, चित्रात्मक एवं लिखित स्वास्थ्य चेतावनी के बिना तम्बाकू उत्पाद बेचना प्रतिबंधित, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट प्रतिबंधित, उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भण्डारणऔरविज्ञापन) का प्रतिषेध अधिनियम, 2019 के अनुसार ई-सिगरेट पूर्णतः प्रतिबंधित, प्रतिषेध कानून 2019 के अनुसार ई - सिगरेट का उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, विज्ञापन पर प्रतिषेध, जिले त दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

न्यूज ब्रीफ

खजुराहो के शिल्पग्राम में आयोजित हुआ राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव

छतरपुर। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पर्यटन नगरी खजुराहो के शिल्पग्राम के मुक्तकाशी मंच पर राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें देश के आठ राज्यों के लगभग 100 लोक नृतको से अधिक कलाकारो ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति प्रदान की । आज के इस शुभारंभ अवसर पर नगर परिषद खजुराहो के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार (पप्पू) अवस्थी, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री आसाराम पाल, पार्षद श्री गौरव सिंह बघेल एवं रवि नायक, समाज सेवी श्री संजीव शुक्ला एवं श्री रविंद्र पाठक तथा डॉक्टर अजीत सिंह जादौन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का नागपुर ऑफिस से आए अमित सोरते एवं प्रवीण मानकर के अलावा खजुराहो शिल्पग्राम से भूपेंद्र सिंह के द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर एवं सॉल श्रीफल के द्वारा सम्मान किया गया ।खजुराहो के शिल्पग्राम में लंबे समय बाद राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जो प्रतिदिन शाम 6ः00 बजे से आयोजित होगा, इस चार दिवसीय महोत्सव में 8 राज्यों के लोक कलाकार एवं स्थानीय कलाकार समूह द्वारा विविध पारंपरिक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां प्रदान की गई इस अवसर पर बड़ी संख्या में कला रसिक प्रेमी और देसी तथा विदेशी पर्यटक उपस्थित रहे ।

जनसुनवाई में हुई 185 आवेदनों पर कार्यवाही

सागर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 185 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्याय, जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक के वी, संयुक्त कलेक्टर आरती यादव, सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे ।राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 185 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

पीएम इंटर्नशिप योजना के दूसरा चरण हेतु आवेदन 12 मार्च तक

सागर । युवाओं के लिए भारत की शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप और अच्छी मेंटरशिप प्राप्त करने के लिए शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना का वर्तमान में दूसरा चरण चल रहा है। योजना में अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन 12 मार्च तक किए जा सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार जिनकी आयु 21 से 24 वर्ष तथा जो सीधे तौर पर सरकारी कर्मचारियों से संबंधित नहीं हैं और उन्होंने अब तक किसी अन्य अप्रेंटिसशिप योजना का लाभ नहीं लिया है इस योजना के लिए पात्र होंगे ।योजना युवाओं के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में से एक में सशुल्क इंटर्नशिप और अच्छी मेंटरशिप पाने का अवसर प्रदान करेगी। योजना के संबंध में सभी प्रकार की जानकारी एवं आवेदन संबंधी जानकारी संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासन के प्रयासों ने सिस्टम की प्रक्रिया को सरल बनाया

सागर। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाने की दिशा में कलेक्टर श्री संदीप जी आर द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे सरकारी सेवा से जुड़े कर्मचारियों में विश्वास और संतोष की भावना बढ़ेगी ।कलेक्टर श्री संदीप जी आर द्वारा शुरू की गई एक सराहनीय मुहिम, जिसका उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों को उनके आर्थिक देयकों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है ।इसी कड़ी में उपसंचालक, कृषि विभाग सागर के पद से श्री बाबूलाल मालवीय आज सेवानिवृत्त हुए और उन्हें उनके आर्थिक देयकों का समय पर भुगतान किया गया। इस तत्परता और पारदर्शिता से खुश होकर श्री मालवीय ने प्रशासन और कलेक्टर श्री संदीप जी आर को धन्यवाद दिया ।श्री मालवीय का कहना है कि पहले सरकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे उनकी परेशानियां बढ़ जाती थीं। लेकिन अब कलेक्टर के प्रयासों से प्रशासन के प्रयासों से सिस्टम की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है ।श्री मालवीय ने बताया कि उन्हें पेंशन कार्यालय से अधिकारी का फोन आया, जिसमें बताया गया कि उनके दस्तावेजों में कुछ कमियां हैं, सेवानिवृत्ति से पहले उन कमियों को पूरा करें जिससे कि सभी आर्थिक देयक और क्लेम समय पर मिल सकें। श्री मालवीय ने कहा कि अगर कर्मचारी सेवानिवृत्ति से पहले अपने सभी दस्तावेत दुरूस्त रखे तो कर्मचारियों को अपने आर्थिक देयकों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और वे बिना किसी चिंता के सेवानिवृत्त हो सकेंगे।

टीकमगढ़ में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला में महिला सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता ➤ टीकमगढ़

कलेक्टर श्री विवेक श्रौत्रिय के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसीक्रम में आज पुलिस विभाग के सहयोग से पुलिस कन्ट्रोल रूम पुलिस लाईन टीकमगढ़ में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में समेकित बाल संरक्षण योजना के स्टेक होल्डर्स एवं पुलिस विभाग के समस्त बाल संरक्षण अधिकारी उपस्थित हुये। कार्यक्रम श्रीमती सरोज राजपूत के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती विभा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती अनुपमा नायक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति टीकमगढ़, श्री भारत भूषण झां विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टीकमगढ़ श्रीमती ऋजुता चौहान द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी, अशासकीय संस्थाओं, शिशु गृह एवं किशोर न्याय बोर्ड तथा बाल कल्याण समिति द्वारा संपादित कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई ।कार्यशाला में आयोजित महिला सम्मान समारोह में पुलिस विभाग की उप निरीक्षक एवं थाना प्रभारी नीतू खटीक, रश्मि जैन, धनवंती सहरिया, श्रीमती रेखा जैन पर्यवेक्षक, श्रीमती इन्द्रा जैन पर्यवेक्षक को सम्मानित किया गया।

यूथ हॉस्टल में केंद्रीय विद्यालय के संचालन हेतु मेंटेनेंस कार्य हुआ प्रारंभ...

खजुराहो/पर्यटन नगरी खजुराहो में यूथ हॉस्टल में केंद्रीय विद्यालय के संचालन हेतु मेंटेनेंस का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिसको लेकर आज क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया ने स्थल निरीक्षण कर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया, इस अवसर पर उनके साथ खजुराहो नगर परिषद के अध्यक्ष अरुण कुमार पप्पू अवस्थी तथा इंजीनियर अमितेश अवस्थी विशेष तौर पर साथ रहे ।

विदित हो की एक लंबे समय से चली आ रही केंद्रीय विद्यालय की मांग खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा जी के विशेष प्रयासों के चलते इसी वर्ष पूर्ण होने के बाद इसी शिक्षा सत्र से कक्षाएं प्रारंभ करने के लिए फिलहाल यूथ हॉस्टल में केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ किया जाएगा तथा बेनीगंज रोड और चितरई तिगड्डा के पास केंद्रीय विद्यालय के लिए चिन्हित जमीन पर संभवत एक दो वर्षों के अंतर्गत नवीन बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाएगी जो यहां से स्थानांतरण होकर फिर विद्युवत क्लासे केंद्रीय विद्यालय के नवीन भवन पर संचालित होगी ।

जनसुनवाई में आमजनता से प्राप्त आवेदन पत्रों के त्वरित निराकरण के दिये निर्देश जनसुनवाई में 72 आवेदनों पर हुई सुनवाई

टीकमगढ़ । शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर संयुक्त कार्यालय परिसर में जनसुनवाई आयोजित की गई। संयुक्त कार्यालय परिसर में अपर कलेक्टर श्री पीएस चौहान ने डिप्टी कलेक्टर श्री एसके तोमर तथा संबंधित अधिकारियों के साथ आमजन से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं को सुना तथा निराकरण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिया। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आज आमजन से प्राप्त 72 आवेदनों पर सुनवाई की गई। आवेदन पत्रों को 10 दिवस में निराकृत कर उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में आमजनता से प्रा सीमांकन, विधवा तथा दिव्यांग पेंशन, राहत राशि के वितरण तथा जाति प्रमाण पत्र सहित विभिन्न आवेदन पत्रों पर सुनवाई की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला में महिला सम्मान समारोह

संवाददाता ➤ टीकमगढ़

कलेक्टर श्री विवेक श्रौत्रिय के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसीक्रम में आज पुलिस विभाग के सहयोग से पुलिस कन्ट्रोल रूम पुलिस लाईन टीकमगढ़ में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में समेकित बाल संरक्षण योजना के स्टेक होल्डर्स एवं पुलिस विभाग के समस्त बाल संरक्षण अधिकारी उपस्थित हुये। कार्यक्रम श्रीमती सरोज राजपूत के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती विभा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ।कार्यक्रम के दौरान श्रीमती अनुपमा नायक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति टीकमगढ़, श्री भारत भूषण झां विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल संपादित कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई।

राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन ने संतोषी रामजी साहू को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

दुर्गेश बर्मन ➤ डिंडौरी

राजनीति में सक्रिय भूमिका को देखते हुए कांग्रेस नेत्री संतोषी साहू को राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन मध्यप्रदेश के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय समन्वयक की अनुशंसा एवं प्रदेश अध्यक्ष मोना कौर के द्वारा जबलपुर जिले का प्रभारी नियुक्त किया हैं, संतोषी साहू फिलहाल महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष हैं, राजनीति और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाती हैं, जानकारी के अनुसार संतोषी रामजी साहू ने अपनी राजनीति की शुरुआत छात्र जीवन में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय करगी रोड़ कोटा छ. ग. में एन एस यू आई अध्यक्ष के रूप में की। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव, महिला कांग्रेस डिंड़ौरी जिलाध्यक्ष, राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन म. प्र. की प्रदेश सचिव एवं शहडोल जिला प्रभारी अब जबलपुर जिला प्रभारी की कमान सौंपी गई हैं, इन्होंने राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय अधिवेशन एवं संगम शिविरों में भी भागीदारी की है। राजीव गाँधी पंचायती राज संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंदसौर से पूर्व सांसद सदस्य ष्ट्ङ्कष्ट सदस्य एवं तेलंगाना प्रदेश प्रभारी गांधीवादी नेता मीनाक्षी नटराजन को अपना आदर्श मानती है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद में इंजी. कमलेश तेकाम की नियुक्ति

अनवर खान ब्यूरो चीफ फतवा

मण्डला। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद में इंजी. कमलेश तेकाम की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने की है। बता दें कि श्री तेकाम वर्तमान में गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी मंडला के जिला अध्यक्ष के पद में विराजमान हैं इसी के साथ वे जिला पंचायत मंडला में उपाध्यक्ष के पद में भी कार्यरत हैं। इनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नेतृत्व क्षमता और समर्पण से पार्टी को नई ऊंचाईयां मिलेगी। आपके नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और उत्साह मिलेगा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूत बनाने के लिये युवा नेतृत्व के हाथों में कमान सौंपी है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से श्री तेकाम बिछिया विधानसभा से दो बार विधानसभा का चुनावी लड़ चुकें हैं। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम ने मध्यप्रदेश गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की जवाबदारी युवा नेतृत्व कमलेश तेकाम को सौंपकर आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ मध्यप्रदेश में गोंगपा के पक्ष में करने के उद्देश्य से दिया है। अध्यक्ष नियुक्त होने पर समस्त गोंगपा के

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त 61 आवेदनों की हुई सुनवाई

दुर्गेश बर्मन ➤ डिंडौरी

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के निर्देशन में आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी गई। आवेदकों द्वारा विभिन्न समस्याओं के 61 आवेदन प्रस्तुत किये गए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया। जिन आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं हो पाया, उनके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई। आज जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आवेदक ग्राम भाजीटोला के रहवासियों ने आवेदन प्रस्तुत कर पयेजल संकट की समस्या बताते हुए नलजल योजना अंतर्गत पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर संबंधित अधिकारी को उक्त आवेदन पत्र का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार से ग्राम संगमटोला ग्राम पंचायत मझियाखार निवासी देवेन्द्र कुमार ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। ग्राम पंचायत परसवाह के सरपंच, सचिव सहित आवेदिका फूलबाई आर्मो ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वह 80 प्रतिशत दिव्यांग है, उसके घर के आसपास कोई जलस्त्रोत नहीं है, फूल बाई ने घर के पास हैण्डपंप खनन कराने की मांग की। जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया। साथ ही आवेदनों का निराकरण कर आवेदकों को सूचित करने को कहा।

जनसुनवाई में आज राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग और खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित पेयजल, भूमि सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, उपचार सहायता आदि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

कान्हा प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते कान्हा नेशनल पार्क में हो रही है बाघों की मौत

एक माह में ये तीसरी मौत वनपरिक्षेत्र मुक्की में मादा बाघ मृत मिला , किसली जॉन के चिमटा कैंप , एवम् सुपखार के पटुवा बीट पास मिले बाघों के शव

संवाददाता ➤ मंडला

विश्व विख्यात कान्हा नेशनल पार्क आए दिन बाघों की मौत से कान्हा प्रबंधन पर प्रश्न चिन्ह बना हुआ है एक माह में ये तीसरी मौत है,क्यों नहीं हो पा रही है जानवरों की उचित देखभाल कहने को तो वहां पर सैकड़ो कर्मचारी कान्हा क्षेत्र में पैदल भ्रमण करते हैं पर उन्हें क्यों खबर नहीं हो पाती की बाघ मृत पड़ा हुआ है सड़ने गलने के बाद ही क्यों पता चलता है कि बाघ की मौत हो गई है यह सब लापरवाही उजागर कर रही है बाघों के संरक्षण के लिए सरकार करोड़ों रुपए खर्च करती है अधिकारियों की उदासीनता के

चलते विभाग की घोर लापरवाही नजर आ रही हैं यह सूक्ष्म जांच का विषय है जानवरों की सुरक्षा के नाम मात्र के लिए खानापूर्ति ही हो रही है इसी का नतीजा है कि आए दिन बाघ मृत पाए जा रहे हैं। अभी हाल ही में वन परिक्षेत्र सुपखर के पटुवाबीट ,चिमटा कैंप के पास बाघ मृत पाया गया इसके पूर्व वन भूमि कक्ष क्रमांक 189 बीट परसाटोला, वृत मुक्की, वनपरिक्षेत्र मुक्की में को एक वन्यजीव मादा बाप उम्र लगभग 2 वर्ष मृत पाया गया। जिस पर एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश भोपाल से जारी दिशा निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुए पटना स्थल को सुरक्षित किया गया व डॉग स्काड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की गई। पोस्टमार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल का.टा. रिजर्व मण्डला, डॉ. पी. के. ज्योत्यी सेवानिवृत पशु चिकित्सक, डॉ. राकेश वारेस्वा पशु चिकित्सक के द्वारा किया गया है। इस दौरान वन्यजीव मादा बाध के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह भस्मीकरण की कार्यवाही क्षेत्र संचालक रवीन्द्रमणि त्रिपाठी, अमीता के.वी. बवर्णा गोस्वामी एन.टी. सीए, प्रतिनिधि एवं वन्यजीव विशेषज्ञ, अजय ठाकुर सहायक संचालक हालोन ।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि का सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया अंतरण

मैहर । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त वितरण का कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रति वर्ष 2000 रुपये की 3 समान किश्तों में 6000 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भागलपुर बिहार में पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त देशभर के 9.8 करोड़ से अधिक किसानो के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि का अंतरण किया गया। मैहर जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष जयंती महेश तिवारी, कलेक्टर रानी बाटड, एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, नायब तहसीलदार सुनील द्विवेदी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा तहसील मैहर, रामनगर एवं अमरपाटन के पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थी कृषक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का कार्यक्रम अब 5 से 10 मार्च तक

सतना । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 1 मार्च से 6 मार्च तक सतना-कटनी-जबलपुर से रामेश्वरम के लिए यात्रा प्रस्तावित थी। लेकिन अब संशोधित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा के संचालन का समय संशोधित कर 5 मार्च से 10 मार्च तक कर दिया गया है। संयुक्त महाप्रबंधक पर्यटन विभाग द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए उपलब्ध रेक के पेंट्रीकार में तकनीकी खराबी आने के कारण रेल्वे द्वारा पेंट्रीकार को सीक कर लिया गया है। इस दौरान तीर्थ यात्रा के लिए चयनित वरिष्ठजनों को अब 5 मार्च से 10 मार्च तक रामेश्वर की तीर्थ यात्रा कराई जायेगी। तीर्थ यात्रा 5 मार्च को प्रस्थान करेगी और 10 मार्च को वापस लौटेगी। तीर्थ यात्रा में सतना-जबलपुर-कटनी के चयनित वरिष्ठजन शामिल होंगे।

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक आयोजित

सिंगरौली। सिंगरौली 4 मार्च 2025/ जिले में चल रहे विकास कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अंदर पूर्ण कराकर जन प्रतिनिधियों से लोकापर्ण कराया जायें। तथा सीधी सिंगरौली एनएच 39 सड़क का निर्माण कार्य 30 जून तक हर हाल में पूर्ण करा लिया जाए। तथा सिंगरौली रेलवे लाईन के कार्य में प्रगति लाए उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय समिति (दिशा) की बैठक के दौरान सीधी सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्र के द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिया गया। विदित हो जिला समन्वय निगरानी सामिति की सांसद डॉ. राजेश मिश्र के अध्यक्षता एवं सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, सिहावल विधानसभा के विधयक विश्वामित्र पाठक, धौहनी विधान सभा के विधायक कुवर सिंह टेकाम, कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, वन मण्डल अधिकारी अखिल बंसल के उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक सांसद डॉ. मिश्र के द्वारा सीधी सिंगरौली एनएच 39 सड़क एवं ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाईन के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में प्रगति लाए वही हर हाल में सीधी सिंगरौली सड़क का निर्माण कार्य 30 जून तक पूर्ण करायें जाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने जल निगम के कार्यो की समीक्षा करते हुये निर्देश दिए कि जल निगम के तीनो ईकाइयों के कार्य को समय पर पूर्ण कर नागरिको को सुद्ध पेयजल उपलंब्ध करायें वही लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग की योजनाओं से छूटे ग्राम को जल निगम के साथ जोड़े जाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलें की विद्युत व्यवस्था की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि इस समय बोर्ड की परिक्षाएं चालू है विद्यार्थियो के पढ़ाई में किसी प्रकार का व्यावधान न हो इसके 24 घण्टे निर्बध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायें।

तीर्थयात्रियों को उपचार सुविधा देने के लिए मऊगंज में मेडिकल टीम तैनात

मऊगंज । प्रयागराज महाकुंभ मेले में बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मऊगंज होकर मिर्जापुर मार्ग से प्रयागराज जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए मऊगंज के शगुन पैलेस में ठहरने की व्यवस्था की गई है। यहाँ वाहनों की पार्किंग, तीर्थयात्रियों के लिए भोजन, पानी आदि की सुविधा दी गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने शगुन पैलेस में 24 घंटे तीर्थयात्रियों को उपचार सुविधा देने के लिए 13 सदस्यीय मेडिकल टीम तैनात की है। शगुन पैलेस में सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे तक सीएचओ प्रिया शुक्ला, रीता पटेल तथा एएनएम पूनम साकेत तैनात हैं। दोपहर एक बजे से शाम प्रियांशी बैरागी को तैनात किया गया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

भाई चारे एवं सद्भाव के साथ मिल जुल कर मनाएं त्योहार:कलेक्टर

संवाददाता ➤ सिंगरौली

सिंगरौली 4 मार्च 2025/ आगामी होली,भाई दूज, ईद उल फितर , रामनवमी एवं महावार जयंती त्योहरों को शांति एवं सदभाव पूर्ण महौल में मनाए जाने को लेकर कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक मनीश खत्री के गरिमामय उपस्थति में जिला स्तरीय शांति सुरंक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर के द्वारा समिति के उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुयें कहा कि आने वाले त्योहारों को गत वर्ष के भाति इस बार भी हम सब मिलकर आने वाले त्योहारो को मनाएं उन्होनें का पूर्व से हमारे जिलें सभी त्योहारों को साथ मिलजुलकर मनाने की परम्परा रही है। इस परम्परा को हमें कायम रखना है। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका दहन हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में काननू व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुयें संवेदनशील स्थलो को चिन्हित किया जाये। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी चिन्हित स्थलो पर लगातार निगरानी बनाए रखे। उन्होंने निर्देश दिए थाना प्रभारी अपने स्तर से शांति समिति की बैठक आयोजित कर त्योहारों का शांति पर्ण आयोजन सुनिश्चित करायें।

कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि होलिका दहन हेतु चिन्हित स्थलो पर्याप्त पानी एवं साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें। साथ ही निर्देश दिए कि होली पर्व पर नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति दिन में दो बार कराया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कार्यापालन यंत्री विद्युत शहरी एवं ग्रामीण को निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर नियमित विद्युत प्रवाह व्यवस्था करते हुयें सतत निगरानी हेतु विशेष दल गठित करे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि होली त्योहार के आयोजन के दौरान शराब पीकर लोग रोड पर निकालते है

एवं तेज गति से बाईक चलाते है तेज गति के कारण दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है एवं अन्य लोगो को भी असुविधा होती है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान ऐसे व्यक्ति को चिन्हित कर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जायें। कलेक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकता अनुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस से चर्चा कर कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाना भी सुनिश्चित करेगे। वही बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होली त्योहार के दौरान कुछ लोगो जबरजस्ती रंग डालने के कारण महौल खराब होनी की संभावना बनी रहती इस तहर का कृत्य करने वालो के विरूद्ध अपने संबंधित थाने में जानकारी दे ताकि समय पर इनके विरूद्ध कार्यवाही किया जा सके। साथ सोसल मीडिया में प्रसारित होने वाले संदेशो की भी निगरानी रखी है महौल खराब करने वाले संदेशो का प्रसार करने वाले को जानकारी से तत्काल अवगत कराये ताकि समय पर ऐसे व्यक्तियो के विरूद्ध कार्यवाही किया जा सके। बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों के द्वारा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को अश्वस्त किया गया कि पुरानी परम्पराओं को अनुसार ही सिंगरौली जिलें मिल-जुलकर त्योहार मनाने की परम्परा को कायम रखते हुयें त्योहारो को मनाया जायेगा। साथ ही असामजिक तत्वों के संबंध में अगर किसी भी प्रकार की जानकारी मिलती है तत्काल पुलिस को अवगत कराया जायेगा। बैठक में अंत में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा समिति के सदस्यों को होली,भाई दूज, ईद उल फितर , रामनवमी एवं महावार जयंती त्योहरों की शुभकामना देते हुयें बैठक को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार बर्मा, एसडीएम सृजन बर्मा, सीएसपी पीएस परस्ते, तहसीलदार सविता यादव सहित जिलाधिकारी समिति के सदस्य, समस्त थाना प्रभारी, यातायात प्रभारी उपस्थित रहे।

सांसद डा. राजेश मिश्रा ने सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग NH-39 का किया निरीक्षण !

सीधी/सिंगरौली सांसद डा राजेश मिश्रा ने गोपद पुल से लेकर झोंको, नौआ नाला, करथुआ, महान नदी के किनारे, जियावन, सजहर घाटी, झुरही नाला, बरगवा , महादेव महदेइया , गोरबी , परेवा नाला , मोरबा तक का निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को समयवाधि के साथ-साथ कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया।निर्माण कार्य को करने को लेकर संविदाकार को पूरी गुणवक्ता के साथ नियत समय में पूर्ण किया जाए ! स्वयं जाकर निर्माण कार्यो का किया निरीक्षण ! इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रणव पाठक, संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी, उमेश सिंह, समीर गोहर सहायक महाप्रबंधक श्रीमती संगीता उईके सहायक महाप्रबंधक एमपीआरडीसी, पदम सिंघानिया सहित इत्यादि लोग रहे शामिल !

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन और सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन और सिंचाई परियोजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जल निगम तथा पीएचई के अधिकारियों से कहा कि निर्देश दिये जाने के बाद भी एक महीने से अधिक का समय बीत जाने पर कार्य में गति नहीं लाई गई है। एक-दूसरे से जुडे हुए विभागों के आपस में समन्वय बनाकर कार्य नहीं किये जाने से प्रगति धीमी है और काम में विलंब हो रहा है। कलेक्टर ने कहा कि जल निगम और पीएचई के अधिकारी सप्ताह में एक दिन संयुक्त बैठक लेकर समन्वय बनाते हुए अपेक्षित कार्य करना सुनिश्चित करें और मुझे भी जानकारी से अवगत करायें।

बीटीआई ग्राउण्ड में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 191 जोडे एक दूजे के हुए

संवाददाता ➤ सतना

नगर निगम सतना द्वारा शनिवार को बीटीआई ग्राउण्ड में आयोजित सामूहिक मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सम्मेलन में शहर के 191 जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने नवयुगलों को उनके सुखी दाम्पत्य जीवन की शुभकामनायें देते हुए उपहार भेंट किये। इस अवसर पर नव दम्पत्तियों को 49 हजार रूपये का प्रतीक स्वरूप चेक तथा उपहार भेंट किया गया। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, ऊषा चौधरी, पूर्व स्पीकर अनिल

जायसवाल, पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य जन तथा बडी संख्या में वर-वधु पक्ष के परिजन उपस्थित रहे।

मैहर जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह के तहत 74 जोडे परिणय सूत्र में बंधे

संवाददाता ➤ सतना

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को नगर पालिका मैहर द्वारा पटेल मैरेज गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह शामिल हुई। उन्होंने कार्यक्रम में 74 वैवाहिक जोड़े को उपहार देकर आशीर्वाद प्रदान किया। सांसद श्री गणेश सिंह ने भी विवाह सम्मेलन में पहुंचकर नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया। वैवाहिक कार्यक्रम में पहले सजी-धजी बाग्घिओं में दूल्हों की बारात भी निकाली गई तथा अतिशबाजी और ढोल, धमाकों से बारात का स्वागत स्थानीय नागरिकों ने किया। तत्पश्चात वैवाहिक कार्यक्रम में जहां 73 जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ तो वही एक जोड़े का निकाह भी कराया गया। इस अवसर पर नव दम्पत्तियों को 49 हजार रूपये का प्रतीक स्वरूप चेक तथा उपहार भेंट किया गया।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम रामपुर बघेलान और मझगवां में आज

सतना । मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत जनपद पंचायत मझगवां में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 2 मार्च को मार्कण्डेय पैलेस मझगवां में प्रात: 11 बजे से किया जा रहा है। जनपद सीईओ सुलभ पुषाम ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 275 वैवाहिक जोडों का नामांकन किया गया है। सांसद श्री गणेश सिंह के मुख्यातिथ्य और विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जनपद अध्यक्ष रेणुका जायसवाल, उपाध्यक्ष सुनील पाल और क्षेत्र के जिला पंचायत, जनपद सदस्य विशिष्ट अतिथि रहेंगे।मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत जनपद पंचायत रामपुर बघेलान द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 2 मार्च को लाल चन्द्रकांत स्टेडियम हनुमानगंज रामपुर बघेलान में प्रात: 9 बजे से किया जा रहा है। सांसद श्री गणेश सिंह और विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह जनपद पंचायत अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा और क्षेत्र के जिला पंचायत, जनपद सदस्य विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता ➤ सिंगरौली

सिंगरौली 4 मार्च 2025/ आगामी होली,भाई दूज, ईद उल फितर , रामनवमी एवं महावार जयंती त्योहरों को शांति एवं सदभाव पूर्ण महौल में मनाए जाने को लेकर कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला के अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक मनीश खत्री के गरिमामय उपस्थति में जिला स्तरीय शांति सुरंक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर के द्वारा समिति के उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुयें कहा कि आने वाले त्योहारों को गत वर्ष के भाति इस बार भी हम सब मिलकर आने वाले त्योहारो को मनाएं उन्होनें का पूर्व से हमारे जिलें सभी त्योहारों को साथ मिलजुलकर मनाने की परम्परा रही है। इस परम्परा को हमें कायम रखना है। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका दहन हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में काननू व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुयें संवेदनशील स्थलो को चिन्हित किया जाये। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी चिन्हित स्थलो पर लगातार निगरानी बनाए रखे। उन्होंने निर्देश दिए थाना प्रभारी अपने स्तर से शांति समिति की बैठक आयोजित कर त्योहारों का शांति पर्ण आयोजन सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि होलिका दहन हेतु चिन्हित स्थलो पर्याप्त पानी एवं साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें। साथ ही निर्देश दिए कि होली पर्व पर नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति दिन में दो बार कराया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कार्यापालन यंत्री विद्युत शहरी एवं ग्रामीण को निर्देश दिए कि आयोजन स्थल पर नियमित विद्युत प्रवाह व्यवस्था करते हुयें सतत निगरानी हेतु विशेष दल गठित करे।

सहायक उपयंत्री तथा एलएनटी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे

कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन और सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा

संवाददाता ➤ सतना

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन और सिंचाई परियोजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जल निगम तथा पीएचई के अधिकारियों से कहा कि निर्देश दिये जाने के बाद भी एक महीने से अधिक का समय बीत जाने पर कार्य में गति नहीं लाई गई है।

एक-दूसरे से जुडे हुए विभागों के आपस में समन्वय बनाकर कार्य नहीं किये जाने से प्रगति धीमी है और काम में विलंब हो रहा है। कलेक्टर ने कहा कि जल निगम और पीएचई के अधिकारी सप्ताह में एक दिन संयुक्त बैठक लेकर समन्वय बनाते हुए अपेक्षित कार्य करना सुनिश्चित करें और मुझे भी जानकारी से अवगत करायें। सोमवार को होने वाली टीएल बैठक में भी इसकी नियमित समीक्षा की जायेगी। बैठक में महाप्रबंधक जल निगम विवेक कुमार, ईपीएचई डीएल कनेल, ई नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण जागृत भगत, सहायक उपयंत्री तथा एलएनटी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे

न्यूज ब्रीफ

`लव यू जिंदगी' में महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की सखियों के लिए `वाईब्रेंट कलर, वाईब्रेंट वूमन'

इंदौर । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व बेला में महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की ओर से अपने ' लव यू जिंदगी ' कार्यक्रम की श्रृंखला में 7 मार्च को दोपहर 3 बजे से रेडियो कालोनी स्थित रेसीडेंसी क्लब पर ' वाइब्रेंट कलर एंड वाईब्रेंट वूमन ' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें अब तक 100 से अधिक सखियों के पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं। इस मौके पर नारी के व्यक्तित्व पर आधारित रंगों से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति और महिला विकास के क्षेत्र में सहयोग देने वाली विशिष्ट महिलाओं का सम्मान भी किया जाएगा। प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा मित्तल ने बताया कि 8-8 के समूह में सखियों के 12 समूह बनाकर उन्हें ड्राइंग शीट पर अपने मनचाहे और पसंदीदा रंग से नारी के स्वरूप को किसी भी परिवेश में उकेरना होगा। इसके लिए उन्हें 40 मिनट की समयावधि दी जाएगी। यह एक ऐसा आयोजन होगा, जिसमें मातृशक्ति स्वयं का अपने ही दृष्टि में कैसे और किस रूप में आंकलन करती है, इसकी अभिव्यक्ति देखने को मिल सकेगी। श्रेष्ठ चित्रकारी करने वाले दो समूहों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे। स्पर्धा के निर्णय हेतु गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय दिवस की पूर्व बेला में यह एक ऐसा कार्यक्रम होगा, जिसमें महिलाएं अपना आंकलन स्वयं करेंगी और उसे अपनी तुलिका के माध्यम से ड्राइंड शीट पर उतारेंगी। इससे उनके पसंदीदा रंग का भी पता चल सकेगा। स्पर्धा के माध्यम से महिलाओं के बीच एकता और एक-दूजे के प्रति सदभाव की भी भावना भी प्रदर्शित हो सकेगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के पश्चात महिला प्रकोष्ठ एवं 'लव यू जिंदगी' के अब तक के सफर में हम सफर बनने वाली भागीदार सहयोगी महिलाओं का सम्मान भी अतिथियों द्वारा किया जाएगा। रेसीडेंसी क्लब से सभी सखियां साथ 7 बजे सीधे नेहरू स्टेडियम पहुंचेंगी और वहां आयोजित मेराथन स्पर्धा में शामिल होंगी।

इन्दौर प्रेस क्लब सभागार में सोच पुस्तक का विमोचन आठ को

इन्दौर । थैलीसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में काव्य संग्रह सोच का विमोचन किया जाएगा। संस्थापिका अध्यक्ष डा. रजनी भंडारी द्वारा रचित इस काव्य संग्रह का विमोचन आठ मार्च की दोपहर 3.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में होगा। इस अवसर पर सोच सुधारो दुनिया बदलो विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि डा. राजीव शर्मा होंगे। अध्यक्षता कवि व शिक्षाविद डा. राजेश दीक्षित नीरव करेंगे।

कार्यक्रम की विशेष अतिथि शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्य डा. ममता चंद्रशेखर होगी।

सिंहस्थ में बीएसएनएल इंदौर-उज्जैन के बीच लगाएगा अस्थायी एक्सचेंज, लांच होगी शार्ट टाइम सिम

इन्दौर । बीएसएनएल ने उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के लिए तैयारी शुरू करते यहां आने वाले लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके इसके लिए इंदौर-उज्जैन को 100 से ज्यादा बीटीएस और अस्थायी एक्सचेंज लगाने का निर्णय लिया है। वहीं कम अवधि के लिए पिलग्रिमेज सिम भी लांच की जाएगी। टेलीकॉम डिप्टी डायरेक्टर जनरल संजीव शर्मा ने कहा कि सिंहस्थ में भी कुंभ की तरह बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे उनको बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बीएसएनएल भी तैयारियां शुरू कर रहा है। इस दौरान बीएसएनएल भोपाल, इंदौर,

उज्जैन के साथ रतलाम- खंडवा से इंदौर के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी देगा। वहीं कम समय के लिए नई सिम भी लॉन्च की जाएगी।

स्वच्छता संदेश के साथ चार दिवसीय उत्सव का समापन

इन्दौर । धारेश्वर महादेव मंदिर ट्रेजर टाउनशिप राऊ पर ट्रेजर टाउन व ट्रेजर विहार के रहवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय उत्सव का समापन हुआ। विगत

शिल्प नगरी में शिल्पकारों से की भेंट, बेलमेटल बनाने की प्रक्रिया को देखा

केंद्रीय राज्य मंत्री सोमन्ना ने कोंडागांव जिले का किया दौरा : किसानों से किया संवाद

कोंडागांव जिले का किया दौरा - किसानों से किया संवाद

संवाददाता ➤ रायपुर

केंद्रीय राज्य मंत्री रेल एवं जल शक्ति भारत सरकार श्री व्ही. सोमन्ना ने आज कोंडागांव जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने सबसे पहले आयुष्मान आरोग्य मंदिर बम्हनी का दौरा कर निरीक्षण किया और अस्पताल में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। साथ ही चिकित्सकों को निर्देशित किया कि दवाइयों की एक्सपायरी डेट की जांच करते रहें और समुचित उपयोग सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने उन्होंने वहां आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों से चर्चा कर उनका अनुभव जाना। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषण टोकरी का वितरण किया।केंद्रीय राज्य मंत्री ने नारियल विकास बोर्ड कोपाबेड़ा में उद्यानिकी विभाग द्वारा आयोजित किसानों से संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किसानों से रूबरू हुए। उन्होंने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उनकी सोच है कि किसानों की आय में वृद्धि हो और वे आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोंडागांव जिले को आकांक्षी जिले से ऊपर उठाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। उन्होंने बड़ी संख्या में नारियल के वृक्षों को देखकर प्रसन्नता जताई और सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री और अन्य अतिथियों ने नारियल के पौधे का रोपण किया।बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के पिछड़े जिलों के विकास के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसमें कोंडागांव जिला भी शामिल है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि हर किसान की आय दोगुना हो और इसके लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।सांसद श्री महेश कश्यप और सांसद श्री भोजराज नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया बजट सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को एक विकसित राज्य बनाने में सफल होंगे।

शिल्पनगरी में शिल्पकारों से की भेंट

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री सोमन्ना ने कोंडागांव में शबरी एंपोरियम में पहुंचकर बस्तर की संस्कृति पर आधारित कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। इसके बाद उन्होंने बेलमेटल सहित विभिन्न कलाओं में कार्यरत शिल्पकारों से मुलाकात की और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों से भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत सभी जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करें।

जनपद पंचायत खड़गवां में श्यामबाई मरकाम बनी अध्यक्ष और विरेंद्र सिंह करियाम बने उपाध्यक्ष

संवाददाता ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद पंचायत खड़गवां में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह निर्वाचन प्रक्रिया जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिजयेन्द्र सिंह सारथी ने पीठासीन अधिकारी की भूमिका निभाई। निर्वाचन प्रक्रिया में कुल 12 निर्वाचित जनपद पंचायत सदस्यों में से सभी 12 सदस्य उपस्थित रहे। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सदस्यों को छत्तीसगढ़ पंचायत (उपसरपंच, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष) निर्वाचन नियम 1995 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। जनपद पंचायत खड़गवां का अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति (महिला) के लिए आरक्षित था, जबकि उपाध्यक्ष पद अनारक्षित था। अध्यक्ष पद के लिए श्रीमती श्यामबाई मरकाम और इंद्रवती मरावी ने नामांकन दाखिल किया, लेकिन निर्वाचन प्रक्रिया में श्यामबाई मरकाम को निर्वाचित घोषित किया गया। उन्हें नियम 17 के तहत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी युगान्तर श्रीवास्तव और विरेंद्र सिंह करियाम ने नामांकन पत्र दाखिल किए। जिसमें गुप्त मतदान कराया गया, जिसमें विरेंद्र सिंह करियाम को सबसे अधिक मत प्राप्त हुए। उन्हें उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित करते हुए प्रमाण पत्र सौंपा गया। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन की अधिसूचना तैयार कर सूचना फलक पर प्रदर्शित की गई। अंत में पीठासीन अधिकारी ने सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक समाप्ति की घोषणा की।

एमसीबी कलेक्ट्रेट के जनदर्शन में आए 15 आवेदन

विभागों को त्वरित निराकरण करने के दिये निर्देश

भूपेंद्र सिंह गंभीर ➤ एमसीबी

एमसीबी कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए। आज के जनदर्शन में आवेदक निर्मल कुमार पटेल निवासी सलवा मरम्मत राशि प्राप्त करने के संबंध में, शांति बाई निवासी रोकड़ा भूमि के संबंध में, नीरज सिंह निवासी मनेंद्रगढ़ एनएच 43 पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में, श्याम लाल निवासी माड़ी सरई सहायक शिक्षक के रिक्त पदों के जानकारी के संबंध में, परमसुखी निवासी घटई भूमि के संबंध में, परमसुखी निवासी घटई भूमि के सीमांकन कराने के संबंध में, फकीर सिंह निवासी सीरियाखोह अनुदान राशि दिलाये जाने के संबंध में, सुरेश कुशवाहा निवासी घटई भूमि के संबंध में, शिव वचन निवासी महाराजपुर भूमि के संबंध में, ध्रुवपाल निवासी मनेंद्रगढ़ गुजारा हेतु खर्च दिलाये जाने के संबंध में, तीरथ राम निवासी साजापहाड़ कुँआ खुदवाने के संबंध में, धर्मेन्द्र यादव निवासी चैनपुर रोजगार दिलाये जाने के संबंध में, छाया रानी साहा निवासी मनेंद्रगढ़ ऋण पुस्तिका दिलाये जाने के संबंध में, बृज मोहन सिंह निवासी चनवारीडांड द्रोपती दास को मितानिन पद से मुक्त किये जाने के संबंध में, अभिषेक पांडेय निवासी खोंगापानी नियमित वेतनमान प्रदाय किये जाने के संबंध में अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

गौरेला पेंड्रा मरवाही

पीएम आवास निर्माण में तेजी लाते हुए 31 मार्च तक 5 हजार आवास पूर्ण करने के निर्देश

विभागीय कार्यों के निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों का भी निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने जिला अधिकारियों को निर्देश

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

संवाददाता ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही,

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण में तेजी लाते हुए 31 मार्च तक 5 हजार आवास पूर्ण करने कहा। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् जिले में वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 17 हजार 41 आवासों में से 1181 आवास पूर्ण हो चुके हैं। कलेक्टर ने तीनों जनपद सीईओ को अप्रारंभ 1853 आवासों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा पीएम जनमन आवासों में विशेष रूचि लेते हुए सभी निर्माणाधीन

आवासों के निर्माण में गति लाते हुए 31 मार्च तक 5 हजार आवास निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत् निर्माणाधीन व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण पूर्ण कराने तथा पूर्ण हो चुके सामुदायिक शौचालयों को क्रियाशील रखने कहा। उन्होंने ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक को लीड बैंक मैनेजर से समन्वय कर सभी महिला स्वसहायता समूहों का बैंक खाता खुलवाने के भी निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान कलेक्टर

जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में ज्योति गुप्ता बनीं उपाध्यक्ष 12 मतों से दर्ज की जीत

संवाददाता ➤ एमसीबी/मनेंद्रगढ़

04 मार्च 2025- मनेन्द्रगढ़ में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा की ज्योति गुप्ता ने कांग्रेस के सुरेन्द्र सिंह को 12 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार यह चुनाव अमृत सदन सभाकक्ष में संपन्न हुआ, जिसका संचालन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लिंगराज सिदार ने किया। तहसीलदार यादवेन्द्र कैवर्त सहायक पीठासीन अधिकारी के रूप में रहे, जबकि जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह भी उपस्थित रहीं। चुनाव प्रक्रिया दोपहर 3 बजे से प्रारंभ हुई, जिसमें नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए भाजपा से ज्योति गुप्ता और कांग्रेस से सुरेन्द्र सिंह ने आवेदन प्रस्तुत किया। संवीक्षा के बाद नामांकन वैध पाए गए और मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। शाम 5 बजे से 5:30 बजे तक मतदान संपन्न हुआ, जिसमें कुल 17 में से 16 निर्वाचित सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना के पश्चात ज्योति गुप्ता को 14 और सुरेन्द्र सिंह को 2 मत प्राप्त हुए, जबकि एक सदस्य अनुपस्थित रहा। इस तरह 12 मतों से जीतकर ज्योति गुप्ता उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की औपचारिक घोषणा की गई और विजयी प्रत्याशी को पीठासीन अधिकारी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही पूरी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जनपद सदस्य अशोतिया बाई, शांति, दलप्रतिप, सूरतिया, रामबाई, रामनरेश सिंह, भैयालाल गोंड़, पूजा कुमारी कोल, आनंद सिंह, रीना अग्रवाल, शाहनवाज अली, रामाशंकर सिंह, जानकी बाई कुसरो, रविशंकर वैश्य, सीता देवी आयम और सुरेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

मनेंद्रगढ़ सिटीकोतवाली ने मोटर विहिकल एक्ट तहत की कार्यवाही

छोटे-बड़े वाहनों की जाँच पड़ताल एवं बगैर हेलमेट वाहन चलाने वालों पर की गई चलानी कार्यवाही- कोतवाली प्रभारी

संवददाता ➤ एमसीबी/मनेंद्रगढ़

सिटीकोतवाली मनेन्द्रगढ़ द्वारा दिनांक 04/03/25 को एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह के निर्देशानुसार तथा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक वाडेगावंकर के मार्गदर्शन में सिटीकोतवाली मनेंद्रगढ़ के प्रभारी सुनील तिवारी द्वारा आज कोतवाली के सामने अपनी टीम के साथ सड़क पर चल रहे दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों के कागजात, लाइसेंस, बीमा आदि एवं बैगर हेलमेट पहने वाहन चलाने वालों की जांच करते हुए मोटर विहिकल एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

सिटीकोतवाली मनेन्द्रगढ़ के प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया कि आज 13 वाहनों के खिलाफ मोटर विहिकल एक्ट के तहत चलानी कार्यवाही की जिसमे 11000 रुपये समंस शुल्क प्राप्त हुआ।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है। सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास

सूर्य के काल्पनिक रथ जैसा कोणार्क सूर्य मंदिर

कोणार्क भुवनेश्वर से पैंसठ किलोमीटर दूर है। यह विश्वविख्यात सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। कोणार्क में सूर्य मंदिर की शिल्पकला देखते ही बनती है। इसके अलावा रेतीले समुद्री तट की मनोहारी खूबसूरती भी देखने लायक है। यहां तैराकी का आनंद भी लिया जा सकता है। सूर्य मंदिर ओडिशा की परंपरागत स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है।

भुवनेश्वर और पुरी से यहां के लिए सीधी बस सेवाएं हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से भ्रमण की भी व्यवस्था है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

सूर्य मंदिर- 9वीं शताब्दी में केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है।

इसमें सूर्य अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलता दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों, सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों को इसकी परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। यह मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

समुद्र तट- कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है।

संग्रहालय- यह सूर्य मंदिर के निकट ही स्थित है। यहां कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह है जोकि दर्शनीय

सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांतिनिकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

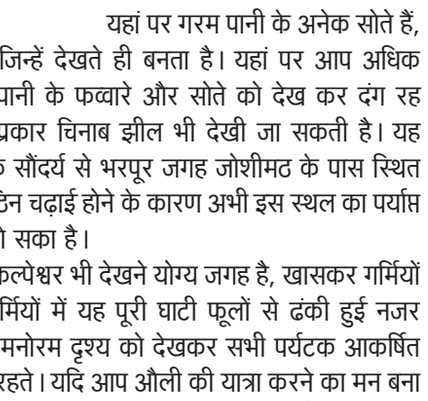

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है। यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिंगरौली-जिले के नवानगर थाना अंतर्गत ताश के पत्तों से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलने वाले 23 आरोपियों से 16 मोटरसाइकिल सहित 1,46,700 रुपये की नगद राशी एवं मोटर साइकिल की लागत मिलाकर लगभग 15 लाख रुपये हुए जप्त सिंगरौली पुलिस की बड़ी कामयाबी !

कुसुम किसान सोलर पंप योजना में करोड़ों का भ्रष्टचार

भोपाल । मप्र कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि एक तरफ भाजपा सरकार किसानों को तीन वर्षों में 30 लाख सोलर पंप लगाने का कपोल कल्पित दिवा स्वप्न दिखा रही हैं वहीं दूसरी ओर मप्र के पंजीकृत 46 हजार किसान 2017 से अपने खेतों में सोलर पंप लगाने का इंतजार कर रहे है। कुसुम किसान सोलर पंप योजना में उर्जा विकास निगम ने करोड़ों रूपए की गड़बड़ी की है। मप्र कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वर्ष 2017 से 2019 के मध्य खेतों में सोलर पंप लगवाने के लिए 46,000 लोगों ने सोलर पंप योजना के लिए पोर्टल पर आवेदन किया। इनमें से 14,000 किसानो ने पंजीकरण के लिए 5,000 रुपए का भुगतान किया, कुछ ने रजिस्ट्रेशन के साथ 3 एचपी के सोलर पंप के लिए 32,000 रुपए व 5 एचपी के लिए 72,000 रुपए की राशि जमा कराई थी। कुल 46,000 किसानों के आवेदनों में से 2,200 को ही उनके खेतों में पंप स्थापित कर के दिए गए हैं, जबकि शेष आवेदक पिछले 6 वर्षों से स्थापना का इंतजार कर रहे हैं।

नायक ने कहा कि सरकार के प्रचार-प्रसार से प्रभावित होकर योजना के लाभ के लिए किसानों ने बढ़-चढक़र रजिस्ट्रेशन करवाया था। सालों बाद तक पंप नहीं मिलने पर ठगा सा महसूस करने लगे तभी से शुरू हुआ ऊर्जा विकास निगम द्वारा किसानों को नित नए बहाने बनाकर भटकाया जा रहा है। वर्त्तमान में 15000 करोड़ रूपये के फाइनल होने वाले सोलर पंप योजना टेंडर में जिस तरह से बार-बार फेरबदल कर अपनी चहती कंपनियों का समावेश किया जा रहा है, उससे व्यापक घोटाले के संकेत मिल रहे हैं।

बार-बार बदले टेंडर

नायक ने बताया कि अब नए सिरे से ऊर्जा विभाग द्वारा 5 अगस्त 2024 को पुन- टेंडर किए गए। लगभग 1500 करोड़ के टेंडर में कई नई शर्तें का समावेश किया गया। टेंडर में 57 ठेकेदारों ने पार्टिसिपेट किया। टेंडर की टर्म्स कंडीशन के आधार पर 57 में से कमेटी द्वारा 32 से अधिक ठेकेदारों को अपात्र घोषित कर दिया गया। ऊर्जा विकास निगम के उच्च अधिकारियों ने निकाले गए टेंडर की कंडीशन के अनुसार अपात्र ठेकेदारों को शामिल करवाने के लिए 15 जनवरी 2025 को बोर्ड की बैठक में टेन्डर की टर्म्स कंडीशन में बदलाव कर दिए जिस से अपात्र ठेकेदार पात्र हो जाए। उन्होने बताया कि एक माह बाद 16 फरवरी 2025 को फिर बोर्ड की बैठक ने 32 अपात्र ठेकेदारों मे से 25 ठेकेदारों के टेंडर को स्वीकृति प्रदान कर दी। नायक ने कहा कि अब तक 30 प्रतिशत केंद्र व 30 प्रतिशत राज्य सरकार अनुदान राशि देती थी लेकिन इस बार 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाना प्रस्तावित किया गया है। इतने बड़े अनुदान की स्वीकृति कैबिनेट के माध्यम से करवा ली गई है। जबकि सोलर पंप लगाने के लिए प्रदेश के 46 हजार किसान आज भी इंतजार कर रहे हैं।

महाकाल मंदिर में होगी 488 होमगार्ड वालंटियर की भर्ती

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उज्जैन में महाकाल मंदिर में होमगार्ड स्वयंसेवी सैनिकों के 488 पद स्वीकृत करने की मंजूरी दी गई। इस पर सालाना 17 करोड़ रुपये का व्यय आएगा। एक वर्ष के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके अलावा, दूसरे अनुपूरक बजट को भी मंजूरी दी गई है, जिसे विधानसभा में पेश किया जाएगा।नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को समिट के प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए सतत फॉलो-अप करने और विभाग प्रमुखों के साथ रिव्यू करने का निर्देश दिया है। प्रमुख सचिव हर हफ्ते रिव्यू करेंगे और मुख्य सचिव को इसकी रिपोर्ट देंगे। मंत्री भी इन प्रस्तावों को साकार करने के लिए कार्य करेंगे। इस दौरान सेक्टरवार मिले निवेश प्रस्तावों की जानकारी साझा की गई। इस साल 30 मार्च से 30 जून तक प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा।आज कैबिनेट बैठक में नगर और ग्राम निवेश संशोधन विधेयक 2025 को मंजूरी दी गई है। इस विधेयक के तहत कोई भी शासकीय विभाग प्लानिंग एरिया के बाहर भी निवेश कर सकेगा और राज्य सरकार को प्रस्ताव देगा, जिसे सरकार स्वीकृति प्रदान करेगी।

समस्याएं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कमिश्नर ने सुनी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं

संवाददाता ➤ शहडोल

04 मार्च 2025- कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आज साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में शहडोल संभाग के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी तथा समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई कार्यक्रम में कमिश्नर को शहडोल जिले के जयसिंहनगर तहसील के ग्राम पांड़ के रामलाल पटेल ने आवेदन करते हुए बताया कि उसकी पत्नी को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा था। किन्तु कुछ माह योजना का लाभ मिलने के बाद अब लाडली बहना योजना की राशि खाते में नहीं आ रही है। श्री रामलाल पटेल ने कमिश्नर से उसकी

पत्नी को पुन: लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने की बात कही। श्री रामलाल पटेल की शिकायत पर कमिश्नर ने सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास से शिकायत का परीक्षण करने के निर्देश दिए तथा हितग्राही को किन कारणों से लाडली बहना योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है इस संबंध में वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए।जनसुनवाई कार्यक्रम में कमिश्नर को आवेदन देते हुए सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ नीलमणि दुबे ने बताया कि वह शंभूनाथ महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप मे कार्यरत थी। वह 30 जून 2024 को सेवानिवत्त हो चुकी हैं। सेवानिवत्ति के पश्चात उसे अर्जित अवकास के नगदीकरण की राशि, फैमिली बेनीफिट फंड में जमा राशि, जीआईएस में जमा राशि, वेतन वृद्धि स्वीकृति उपरांत पेशन का पुनर्निधारण, वेतन निर्धारण के उपरांत पेंशन पुनरीक्षण कर राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होनें कमिश्नर से अनुरोध करते हुए कहा कि उन्हें उनके सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले स्वत्वों का भुगतान किया जाए। जिस पर कमिश्नर ने सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. नीलमणि दुबे को समझाईस दी की उनके सभी सेवा निवृत्ति के स्वत्वों का भुगतान करा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना अन्तर्गत पोषण भी- पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए

प्रदेश में राजस्व भू-अभिलेखों के लंबित डिजिटाइजेशन के लिए 138 करोड़ 41 लाख रूपये की स्वीकृति

छिंदवाड़ा एवं नवगठित पांढुर्णा जिला अन्तर्गत तीन वनमंडलों को पुनर्गठित किये जाने का निर्णय

संवाददाता ➤ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा केन्द्र प्रवर्तित सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना अन्तर्गत पोषण भी- पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं भारत सरकार के मापदंडों अनुसार इसके आयोजन के लिए 30 करोड़ 56 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी। इसका उद्देश्य बाल्यावस्था के प्रथम एक हजार दिवस में प्रांरभिक उद्दीपन, 3 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के लिए ईसीसीई (देखभाल व शिक्षा) को बढ़ावा देना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ईसीसीई एवं शैक्षिणक दृष्टिकोण की बुनियादी समझ विकसित करना, खेल आधारित उच्च गुणवत्ता प्रदान करना है। इसका लक्ष्य, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमता संवर्धन एवं परियोजना में एक बाल विकास परियोजना अधिकारी 3 पर्यवेक्षकों को मास्टर ट्रेनर बनाना हैं।

गेहूं का उपार्जन रूपये 2,600 प्रति क्विंटल पर

मंत्रि-परिषद द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों को गेहूं उपार्जन पर बोनस भुगतान एवं सरप्लस गेंहू के निस्तारण के संबंध में गेंहू उपार्जन पर बोनस राशि रुपये 125/- प्रति क्विंटल के स्थान

पर राशि में वृद्धि करते हुए राशि रूपये 175/- प्रति क्विंटल किये जाने का निर्णय लिया गया हैं।

निर्णय अनुसार गेहूं का उपार्जन रूपये 2,600 प्रति क्विंटल पर किया जायेगा। उपार्जन कार्य 15 मार्च से प्रारंभ हो जायेगा। गेंहू की एमएसपी दर रूपये 2,425 प्रति क्विंटल पर उपार्जन पर रूपये 175 प्रति क्विंटल बोनस दिया जायेगा। 80 लाख मीट्रिक टन गेंहू के उपार्जन पर 1,400 करोड़ रूपये राज्य के कोष से व्यय किया जायेगा।

धान उपार्जन पर किसानों को 4000 रुपए प्रति हेक्टेयर की मिलेगी प्रोत्साहन राशि

धान उपार्जन अंतर्गत खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024 में धान का विक्रय करने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर 4000 राशि के मान से 6.70 लाख किसानों को 12.20 लाख हेक्टेयर में पैदा की गई धान पर राज्य सरकार 480 करोड़ रूपये की राशि व्यय करेगी।

प्रदेश में राजस्व भू-अभिलेखों के लंबित डिजिटाइजेशन के लिए 138 करोड़ 41 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार के डिजिटल इंडिया लैण्ड रिकार्ड मॉर्डनाईजेशन प्रोग्राम के तहत प्रदेश में राजस्व भू-अभिलेखों के लंबित डिजिटाइजेशन के लिए स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार राजस्व भू-अभिलेखों के लंबित डिजिटाइजेशन के लिए प्राक्कलित कुल राशि 138 करोड़ 41 लाख रूपये (कर सहित) की स्वीकृति प्रदान की गई। डिजिटाइजेशन के कार्य को म.प्र. भू-अभिलेख प्रबंधन समिति (एमपीएलआरएस) द्वारा खुली निविदा के माध्यम से क्रियान्वित किया जायेगा। छिंदवाड़ा एवं नवगठित पांढुर्णा जिला अन्तर्गत तीन वनमंडलों को पुनर्गठित किये जाने का निर्णय

जनसुनवाई में आवेदकों ने कलेक्टर को बताई अपनी समस्याएं

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आए आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के अधिकारियों को दिये निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपने आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान 45 आवेदकों ने अपनी समस्याएं बताई। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एसडीएम अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जिले के विभिन्न अंचलों से आए आवेदकों से उनके आवेदन प्राप्त करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवेदन के निराकरण के संबंध में दिशानिर्देश दिए।

जनसुनवाई में तहसील जैतहरी के ग्राम ठोंड़ीपानी निवासी श्री जयसिंह बैगा ने नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगाए जाने के संबंध में, तहसील अनूपपुर के ग्राम पसला निवासी श्रीमती खेलन बाई राठौर ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम बैरीबांध निवासी श्री विनायक प्रसाद ने शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम पयारी क्र. 01 निवासी श्रीमती सुनीता केवट ने उजाला स्वसहायता समूह पयारी क्र. 01 में हुए भ्रष्टाचार में कार्यवाही किए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम अमगवां निवासी श्री लवकेश सिंह धुर्वे ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाए जाने संबंधी आवेदन दिए। इसी तरह अन्य आवेदकों ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में दिए।

राज्य मंत्री ने नर्मदापुरम में किया रेशम कृषि मेला का शुभारंभ

गुमसुदा (01) नाबालिका के पिता को थाना चचाई पुलिस व्दारा दस्तयाब कर परिजनों के किया सुपुर्द

संवाददाता ➤ अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी व्दारा जिले में गुम बालिका/महिला एवं पुरूष की तलाश कर परिजनों को मिलवाये जाने हेतु तत्परता पूर्वक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है । जिसके पालन में चचाई पुलिस व्दारा 17 वर्षीय किशोरी को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है । दिनांक 18/02/25 को फरियादी देव लाल कोल पिता सम्हारू कोल उम्र 42 साल निवासी ग्राम मेड़ियारास थाना चचाई के व्दारा नाबालिक उम्र 17 वर्ष 04 की किसी अज्ञात व्यक्ति के व्दारा बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट (गुम होने की) रिपोर्ट पर थाना चचाई में दर्ज कराया था रिपोर्ट पर अप0 क्र0 28/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. एवं गुम इं0 क्र0 07/2025 कर विवेचना/जांच तलाश की जा रही थी । थाना चचाई से निरीक्षक राकेश उइके थाना प्रभारी थाना चचाई, सउनि0 कमलेश सिंह चौहान, सउनि0 महिपाल प्रजापति प्र.आर. 164 विकास दहायत ,महिला आर.210 अनामिका द्विवेदी के व्दारा काफी लगन मेहनत से गुमसुदा नव युवतियों की तलाश करते हुए आज दिनांक

04/03/2025 को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया लापता किशोरी को वापस परिवार से मिलाने के लिये परिवारजन ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है ।

गेहूं के विक्रय हेतु किसान 31 मार्च तक करा सकते हैं पंजीयन

संवाददाता ➤ अनूपपुर

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं के विक्रय हेतु पंजीयन कार्य जिले में 20 जनवरी 2025 से किया जा रहा है, जो 31 मार्च 2025 तक किया जाएगा। पंजीयन हेतु तहसील पुष्पराजगढ़ अंतर्गत आ.जा. सेवा सह.समिति राजेन्द्रग्राम, आ.जा.सेवा सह.समिति बेनीबारी, आ.जा.सेवा सह. समिति जैतहरी, आ.जा.सेवा सह.समिति मझगवां (फुनगा) के फुनगा, आ.जा.सेवा सह. समिति दुलहरा, आ.जा. सेवा सह. समिति अनूपपुर, आ.जा. सेवा सह. समिति पसान के कोतमा तथा आ.जा. सेवा सह. समिति बिजुरी के निगवानी में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इन पंजीयन केन्द्रों में किसान अपना नि:शुल्क पंजीयन करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनूपपुर जिले में ऑनलाईन सेन्टर भी खुले हैं, ।

शहडोल संभाग के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शहडोल संभाग श्री उमेश कुमार धुर्वे ने जानकारी दी है कि संभागीय मुख्यालय शहडोल के दिव्यांग छात्रावास में संभाग स्तरीय ब्रिज कोर्स आवासीय प्रशिक्षण हिंदी अंग्रेजी गणित के विषयों के अध्यापन कार्य करने वाले कक्षा 9वीं के शहडोल संभाग के अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया जिले के शिक्षकों को

प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हिन्दी विषय का प्रशिक्षण दिनांक 27 फरवरी 2025 से 01 मार्च 2025 तक एवं गणित विषय का प्रशिक्षण दिनांक 02 मार्च 2025 से 04 मार्च 2025 तक रहा है, जिसमें अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण दिनांक 05 मार्च 2025 से 07 मार्च 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

फतवा समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

1.	प्रकाशन स्थल	भोपाल
2.	प्रकाशन अवधि	साप्ताहिक
3.	मुद्रक का नाम	डल्लू सोनी
	क्या भारत का नागरिक है	हां
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल
4.	प्रकाशक का नाम	डल्लू सोन
	क्या भारत का नागरिक है	हां
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल
5.	संपादक का नाम	डल्लू सोन
	क्या भारत का नागरिक है	हां
	पता	सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	

मै डल्लू सोन एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
डल्लू सोनी
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल, मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। **संपादक**-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनुपपुर होगा। मो. 9893798715